RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

13 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ● 30 अगस्त , 2025 वर्ष:-13 अंक -122 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

रामपुर में पाकिस्तानी नागरिक ने बेच डाली साढ़े 4 बीघा जमीन

● पांच लाख में हुआ सौदा, यूपी से लेकर गृह मंत्रालय तक हड़कंप

रामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पाकिस्तानी नागरिक ने ट्यूरिस्ट वीजा पर आकर एक कीमती जमीन को महज 5 लाख में सौदा कर दिया। यही नहीं रजिस्ट्री करने के बाद वह आराम से लौट गया। फिर पेमेंट लेने के लिए भारत आया और और पेमेंट लेकर पाकिस्तान वापस चला गया। इस मामले की शिकायत गृह मंत्रालय तक पहुंच चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गृह मंत्रालय ने जांच बिठा दी है। विदेशी प्रभाग के संयुक्त निदेशक अनिल सुब्रहमण्यम मामले की जांच कर 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देंगे। रामपुर में यासिर अली खान की ये पुश्तैनी जमीन है। वह इस जमीन के सह मालिक हैं। उन्होंने बताया कि इस पुश्तैनी जमीन की कीमत करीब 60 से 80 लाख रुपये है। पिछले दिनों जब उन्होंने अपना हिस्सा बेचने की कोशिश की और कागज

तैयार करवाने लगे तो पता चला कि इसका कुछ हिस्सा पहले ही बेचा जा चुका है। रिकॉर्ड से जांच कराई तो पता चला कि 70 वर्षीय जावेद खान जो रिश्ते में उनके दादा लगते हैं, रामपुर में 38 बीघा जमीन के सह-मालिक थे। इस जमीन पर आम के बाग थे। वह 90 के दशक में पाकिस्तान चले गए थे और वहां की नागरिकता भी ले चुके हैं। पाकिस्तान की नागरिकता मिलने के बाद, वह 2014 में भारत लौटे थे और करीब 4.7 बीघा का अपना हिस्सा एक रिश्तेदार को 5 लाख रुपये में बेच दिया और पाकिस्तान वापस चले गए। जानकारी के अनुसार 2014 में जावेद खान 90 दिन के ट्यूरिस्ट वीजा पर भारत आया और रामपुर 29 जनवरी को उसने किशनपुर अटरिया में कीमती जमीन महज 5 लाख रुपये में बेच दी। इस दौरान उसे कुछ पेमेंट पेंडिंग रह गई। इसके बाद वह अप्रैल में फिर वापस आया और इस बार पूरी पेमेंट लेकर पाकिस्तान वापस लौट गया। चौंकाने वाली बात ये रही कि किसी को कानो-कान खबर तक नहीं हुई। यासिर ने कानूनी मदद के लिए एनजीओ डी के फाउंडेशन से संपर्क किया। इसके अध्यक्ष, दानिश खान ने गृह मंत्रालय में एक याचिका दायर की। उनका कहना है कि जावेद खान के पाकिस्तानी नागरिक बनने के बाद उनका हिस्सा भारतीय कानून के तहत अपने आप 'शत्रु संपत्ति' घोषित हो जाना चाहिए था। दानिश ने कहा, उन्हें जमीन बेचने का कोई अधिकार नहीं था। यह सौदा गलत तरीके से किया गया है। वे चाहते हैं कि जमीन की बिक्री को रद्द कर दिया जाए। यह भी सवाल उठ रहे हैं कि पाकिस्तानी नागरिक होने के बावजूद जावेद के नाम पर आधार कार्ड और अन्य आईडी कैसे बन गए। दानिश खान कहते हैं कि हमने इस मामले की पूरी जांच करने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बिक्री को रद्द किया जाना चाहिए और संपत्ति को शत्रु संपत्ति कस्टोडियन को दिया जाए।

ट्रंप टैरिफ के खिलाफ 'गोलबंदी' पर निकले पीएम मोदी

● जापान में सफलता, चीन खोलेगा भारत के लिए दरवाजा!

बीजिंग/टोक्यो (एजेंसी)। जापान दौरे के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एशिया दौरा शुरू हो चुका है।

पीएम मोदी उस वक्त विदेशी दौरे पर निकले हैं, जब डोनाल्ड ट्रंप भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं, जिसका गंभीर असर भारतीय इकोनॉमी पर होने की आशंका है। प्रधानमत्री मोदी की जापान और चीन की यात्रा करने का मकसद ट्रंप की टैरिफ के भारत पर असर को कम करना और घनिष्ठ राजनयिक संबंध बनाना है। हालांकि जापान भारत का पुराना दोस्त रहा है और पीएम मोदी को टोक्यो में कामयाबी मिली भी है, लेकिन सवाल चीन को लेकर है कि क्या चीन, भारतीय उत्पाद के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। चीन कई तरह से भारतीय प्रोडक्ट्स को चीनी बाजार में आने से रोकता रहा है। जिसमें कई तरह के सीमा नियम, चेकिंग के नाम पर प्रोडक्ट को हफ्तों तक बंदरगाहों पर रोकना और फिर खराब क्वालिटी का हवाला देकर जहाजों को बैरंग वापस लौटाना शामिल रहा है। इससे भारतीय कारोबारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है, इसीलिए सवाल ये है कि क्या चीन, जो अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ भारत के साथ होने की बात कर रहा है, वो भारतीय सामान को चीन के बाजार में आसानी से जाने के देने के लिए सहमत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो में भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए भारत को एक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने की वकालत की और कहा, कि दुनिया न सिर्फ भारत पर नजर रख रही है, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ वार्ता भी करेंगे।

आप 'टेक पावर' तो हम हैं 'टैलेंट पावर' हाउस

● मिलकर करें दुनिया का नेतृत्व, जापान में पीएम का आह्वान

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के दो दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान से पार्टनरशिप में काम करने का आह्वान करते हुए कहा है कि जापान जहां 'टेक पावर' हाउस है तो वहीं भारत 'टैलेंट पावर' हाउस है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में पूरी दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी मैन्युफैक्चरर्स को भारत आने का न्योता दिया और 'मेक इन इंडिया' के तहत पूरी दुनिया के लिए निर्माण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मेक इन इंडिया फॉर होल वर्ल्ड। उन्होंने कहा कि आज टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। टोक्यो में भारत-जापान इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व कर सकती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत निवेश के लिए सबसे प्रॉमिसिंग डेस्टीनेशन है। 80 प्रतिशत कंपनियां भारत में विस्तार करना चाहती हैं और 75 प्रतिशत पहले से मुनाफे में है। इसका मतलब है कि भारत में पूंजी सिर्फ बढ़ती ही नहीं है बल्कि कई गुना हो जाती है।

ध्यानचंद की जयंती पर भोपाल में खेल महोत्सव का आगाज

31 अगस्त तक प्रदेशभर में होंगी खेल और फिटनेस गतिविधियां,सीएम होंगे शामिल

भोपाल। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ राजधानी भोपाल में हुआ। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित खिलाड़ियों तथा नागरिकों को फिट इंडिया की शपथ दिलाई। सुबह से ही स्टेडियम में खेलों का उत्साह देखने को मिला। 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान के तहत योग, फुटबॉल, एथलेटिक्स, जूडो, बैडमिंटन और बॉक्सिंग जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में खिलाड़ी, कोच और नागरिक इस अभियान से जुड़े। मंत्री सारंग ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में खेलों को जनांदोलन बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने खिलाड़ियों से आव्हान किया कि अगले तीन माह में कम से कम 10 लोगों को खेल और फिटनेस के लिए प्रेरित करें।

मारो और तोड़ो, सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे

पटना और दरभंगा कांग्रेस दफ्तर में तोड़फोड़ पर बोले राहुल गांधी

बेतिया, गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज 13वां दिन था। राहुल बेतिया होते हुए गोपालगंज पहुंचे। यहां वे तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य के साथ रोड शो कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है।

हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पटना में पार्टी की बिहार यूनिट के ऑफिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि सत्य और अहिंसा के आगे, असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। कांग्रेस सत्य और संविधान की रक्षा करती रहेगी। इससे पहले बेतिया में उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। चनपटिया से शुरू हुई यात्रा हरि वाटिका चौक पहुंची, जहां गांधी जी की प्रतिमा पर माला चढ़ाकर उन्हें नमन किया। यात्रा में समर्थकों से मिलने के दौरान तेजस्वी यादव के हाथ में चोट लगी है। गाड़ी के गेट में उनका हाथ दब गया, जिससे उन्हें हल्की चोट आई।

राहुल की यात्रा में पीएम को गाली भिड़े बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता

पटना में चले लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर,गाली देने वाला आरोपी गिरफ्तार

पटना, दरभंगा (एजेंसी)। बीजेपी कार्यकर्ता कांग्रेस ऑफिस के बाहर प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे। वो राहुल गांधी के

खिलाफ नारेबाजी करने लगे। थोड़ी देर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों पार्टी के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। कई गाड़ियों में भी तोडफ़ोड़ की गई है। बवाल के बाद पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को वहां से खदेड़ा। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जमीन पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। 30 मिनट चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सभी कांग्रेसियों को सड़क से हटाकर जाम खुलवाया। इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्री का बयान आया है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी की यात्रा में पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस ने सबसे घृणित काम कांग्रेस ने किया है। जिस प्रकार की राजनीति राहुल गांधी ने शुरू की है, वो हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। ये आज से नहीं है, नरेंद्र मोदी जब से पीएम बने तब से सोनिया-राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री को गालियां दी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा-सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। पीएम को गाली देने के मामले में दरभंगा पुलिस ने गुरुवार देर रात रिजवी उर्फ राजा नाम के युवक को गिरफ्तार किया है।

'सुपरहिट' सीएम योगी का नजर आया बदला हुआ अंदाज

● हॉकी के मैदान में आजमाया हाथ,टर्फ पर लगाया जोरदार शॉट

लखनऊ (एजेंसी)। राजनीति की पिच पर सुपर हिट योगी आदित्यनाथ अपने विरोधियों पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। देश के सबसे बड़े सूबे के मुख्यमंत्री बनने के बाद से सीएम योगी लगातार अपने कामकाज से चर्चाओं में बने रहते हैं। अपराध और अपराधियों के लिए काल बन चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कभी क्रिकेट की पिच पर हाथ आजमाते नजर आ जाते हैं तो कभी हॉकी के मैदान में शॉट लगाते दिखाई पड़ते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री का बदला-बदला अंदाज देखने को मिला है। सीएम योगी हॉकी से शॉट लगाते नजर आए हैं। दरअसल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ के गोमतीनगर स्थित पद्मश्री मोहम्मद शाहिद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम में आयोजित समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए खिलाड़ियों से मुलाकात की।

कलेक्टर को गाली-मुक्का दिखाने वाले विधायक को लगी फटकार

● भोपाल बुलाकर संगठन ने कहा-ये बर्दाश्त नहीं करेंगे,खाद विवाद रेत चोरी तक पहुंचा था

भोपाल। तीन दिन पहले भिंड कलेक्टर को गाली देने और मारने के लिए हाथ उठाने वाले भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह को संगठन ने भोपाल बुलाकर फटकार लगाई है। पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बुलावे पर नरेंद्र कुशवाह शुक्रवार को संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के बंगले पर पहुंचे। यहां प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह की मौजूदगी में पूरे घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हितानंद शर्मा के आवास पर हुई बैठक में प्रदेश नेतृत्व ने विधायक के व्यवहार को गंभीर माना है। विधायक को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि आपका व्यवहार पार्टी लाइन के विपरीत है, इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में इस तरह का आचरण स्वीकार्य नहीं होगा। भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया। इस दौरान उन्होंने गाली-गलौज की। कलेक्टर ने कहा कि रेत चोरी नहीं चलने दूंगा, इस पर विधायक ने उन्हें ही चोर कहा। समर्थक भी भिंड कलेक्टर चोर है की नारेबाजी करते रहे। दरअसल, विधायक कुशवाह जिले में खाद संकट को लेकर कलेक्टर के बंगले के बाहर धरने पर बैठे थे। वे कलेक्टर से बाहर आकर बात करने की मांग कर रहे थे।

एमपी गजब है!

2500 ईंटों की खरीदी सवा लाख रुपए में हुई

● सरपंच और सचिव ने कर दिया बिल का भुगतान

भोपाल। भ्रष्टाचार के मामले में शहडोल जिला प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में चर्चित हो रहा है। जिले में भ्रष्टाचार के नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई न होने के कारण उनके हौसले बुलंद है। ताजा मामला शहडोल की भटिया ग्राम पंचायत से है, जहां महज ढाई हजार ईंटों को एक लाख पचीस हजार रुपए में खरीदना बता कर बिल का भुगतान किया गया है। यह बिल अब सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, शहडोल जिले में पिछले कई महीनों से भ्रष्टाचार के नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। चाहे 4 लीटर पेंट से पूरे स्कूल को पेंट करने का मामला हो। साथ ही जल गंगा अभियान में कलेक्टर एवं अधिकारियों को एक घंटे में कई किलो ड्राई फ्रूट खिलाने का

मामला हो। हाल में ही 2 दिन पूर्व दो पेज फोटोकॉपी का 4000 का बिल पास करने का मामला भी सामने आया है। जिले में हो रहे यह भ्रष्टाचार के मामले साबित करते हैं कि इन फर्जी बिलों को पास करके स्कूल के शिक्षक, ग्राम पंचायत के सचिव और सरपंच सरकारी राशि का बंदरबांट कर रहे हैं। शहडोल जिले के बुढार जनपद के भाटिया ग्राम पंचायत से एक बड़ा ही अनोखा बिल इन दिनों सोशल मीडिया में वायरल है। इस बिल में 2500 ईंटों को भाड़ा सहित 5 रुपए की दर से खरीदना बता कर एक लाख पचीस हजार रुपए का बिल पास करके भुगतान किया गया है। चेतन प्रसाद कुशवाहा, ग्राम परिबहरा पो साखी तहसील जैतपुर जिला शहडोल के नाम के इस बिल में 2500 ईंटों को 5 की दर से एक लाख पचीस हजार में खरीदा गया। भाटिया ग्राम के सरपंच और सचिव ने हस्ताक्षर करके सील लगाकर बिल को पास कर दिया है। बिल की राशि का आपस में बंदर बांट कर लिया है। शहडोल जिले के लगभग सभी ग्राम पंचायत की यही स्थिति है।

राहुल गांधी के स्क्रिप्ट राइटर का सम्मान होना है जरूरी

● हरियाणा सीएम बोले-तीन मुद्दे दिए, तीनों पर नाकाम

ईवीएम,संविधान के बाद अब नया पैतरा भी होगा फेल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तीखा हमला बोला। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की स्क्रिप्ट लिखने वाले को सम्मानित किया जाना चाहिए, क्योंकि उसने उन्हें तीन बड़े मुद्दे दिए, लेकिन राहुल गांधी तीनों में नाकाम साबित हुए। सैनी ने कहा कि पहले राहुल गांधी से ईवीएम पर सवाल उठवाए गए, लेकिन कांग्रेस पूरे देश में हार गई। इसके बाद उन्होंने संविधान को मुद्दा बनाया, लेकिन उसमें भी सफलता नहीं मिली। तीसरी बार उन्होंने वोट चोरी का मुद्दा उठाया, लेकिन इसमें भी वे असफल दिख रहे हैं। सीएम सैनी ने आरोप लगाया कि इन सबके बाद अब राहुल हताश हो चुके हैं और पीएम के लिए गलत बोल रहे हैं।

रायसेन में कचरे के ढेर से जिंदा नवजात बच्ची मिली

● रोने की आवाज से मचा हड़कंप

रायसेन। जिले के बरेली कस्बे में शुक्रवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कचरा गाड़ी से एक नवजात बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। यह आवाज सुनते ही नगर परिषद के कर्मचारी और आसपास के लोग सन्न रह गए। गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमें कपड़े की एक पोटली मिली, जिसके अंदर से मासूम बच्ची निकली। बच्ची पूरी तरह कचरे और गोबर से सनी हुई थी, लेकिन वह जिंदा थी। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों के दिल दहल उठे और नगर भर में इस घटना की चर्चा फैल गई। जानकारी के मुताबिक वार्ड क्रमांक 13 और 14 से रोजाना की तरह कचरा इकट्ठा कर रहे चालक इरशाद खान और हेल्पर रवि डागोर नर्सिंग टेकरी मंदिर के पास पहुंचे थे। तभी उन्हें गाड़ी से किसी मासूम के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज की पुष्टि होते ही उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को बुलाया। इस दौरान वार्ड 13 के निवासी नरेंद्र मांझी ने हिम्मत दिखाते हुए पोटली को खोला तो उसके अंदर नवजात बच्ची मिली। बच्ची की हालत देखकर सभी हैरान रह गए। सूचना मिलते ही सामाजिक संगठन टीम पहल के सदस्य भी मौके पर पहुंचे और बच्ची को तत्काल सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बच्ची को हाइपोथर्मिया और हल्का बुखार है, हालांकि अब वह खतरे से बाहर है। बच्ची की जिजीविषा और लोगों की त्वरित मदद से उसकी जान बच पाई। इस बीच, शहर में कई परिवारों ने बच्ची को गोद लेने की इच्छा भी जताई है। घटना के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई है। बरेली थाना प्रभारी कपिल गुप्ता ने बताया कि नवजात के परिजनों की तलाश की जा रही है। हाल ही में जिन महिलाओं की डिलीवरी हुई है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर किसने इतनी बेरहमी से मासूम को कचरे में फेंक दिया। नगर में यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी सिलवानी और बेगमगंज क्षेत्रों में नवजात बच्चों को लावारिस छोड़ने के मामले सामने आ चुके हैं। बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं ने समाज की संवेदनाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीएमओ डॉक्टर हेमंत यादव ने भी पुष्टि की है कि बच्ची अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है।

अन्धविश्वास

कर्ज से परेशान युवक तांत्रिकों के जाल में फंसा

● नकली सुसाइड ऑडियो से पुलिस और परिवार को किया गुमराह, धराया

ग्वालियर। लोन के जाल और कर्ज की बेड़ियों में फंसा एक युवक अंधविश्वास के चक्कर में तांत्रिकों के झांसे का शिकार हो गया। तांत्रिकों ने उसे कर्ज से मुक्ति, गड़ा खजाना और महंगी कार दिलाने का सपना दिखाकर ठग लिया। युवक आठ दिन तक घर से लापता रहा और इस दौरान पुलिस व परिवार को गुमराह करने के लिए उसने नकली सुसाइड का ऑडियो वायरल कर दिया लेकिन जब उसका राजदार ही पुलिस को लोकेशन बता बैठा तो पूरी कहानी का भांडा फूट गया और युवक पुलिस के शिकंजे में आ गया। दरअसल, ग्वालियर के माधौगंज थाना क्षेत्र स्थित लाला का बाजार निवासी बृजमोहन शिवहरे का 35 वर्षीय बेटा विक्की शिवहरे बीते आठ दिन से रहस्यमय तरीके से घर से गायब था। विक्की पिछले एक साल से बेरोजगार था और उसने करीब तीन लाख रुपए का ऑनलाइन लोन ले रखा था, जिसे वह चुका नहीं पाया। बैंक के रिकवरी एजेंट लगातार उस पर दबाव बना रहे थे। परेशान होकर विक्की ने झांसी के तांत्रिक कल्लू और ग्वालियर की पुरानी छावनी में तंत्र-मंत्र का धंधा करने वाले शकील के पास मदद मांगी। इन दोनों ने उसे लालच दिया कि वे कर्ज से मुक्ति दिला देंगे, गड़ा हुआ खजाना ढूंढ निकालेंगे और यहां तक कि महंगी कार तक दिलवा देंगे। इन झूठे सपनों के फेर में फंसे विक्की ने 15 हजार रुपए भी उन्हें दे दिए। इसी बीच, वह घर छोड़कर इधर-उधर भटकने लगा। पुलिस और परिवार उसकी तलाश में जुटे रहे। इस बीच उसने एक ऑडियो वायरल कर दिया, जिसमें उसने कहा कि कर्ज से तंग आकर आत्महत्या करने जा रहा है। इस ऑडियो ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी। पुलिस ने उसकी खोज में 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और हर संभव प्रयास किया। परिवार भी बुरी तरह से दहशत में आ गया। लेकिन गुरुवार की रात उसकी असलियत सामने आ गई, जब विक्की संजय कॉम्प्लेक्स स्थित अपने दोस्त की दुकान पर मोबाइल चार्ज कराने पहुंचा। वहां से उसकी मौजूदगी की खबर पुलिस तक पहुंची।

लड़की के भागने के आरोप से नाराज युवक चढ़ा मोबाइल टॉवर पर

● पुलिस ने बयान दिखाकर शांत कराया

दतिया। सेवड़ा ब्लॉक के थरेट गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव का ही एक युवक अजय कुशवाहा अचानक बीएसएनएल के ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। देखते ही देखते घटना स्थल पर भीड़ जुट गई और मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों के भी हाथ-पांव फूल गए। यह पूरा घटनाक्रम एक नाबालिग लड़की के गायब होने और उस पर लगे आरोपों से जुड़ा था। दरअसल, थरेट गांव की एक नाबालिग लड़की हाल ही में घर से लापता हो गई थी। उसके पिता ने 27 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई और अजय कुशवाहा पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और प्रेस नोट में अजय का नाम भी सार्वजनिक कर दिया। इससे युवक बेहद आहत हुआ। हालांकि, अगले ही दिन लड़की खुद घर लौट आई। उसने पुलिस को दिए बयान में साफ बताया कि वह किसी के साथ भागी नहीं थी, बल्कि पिता की डांट से नाराज होकर झांसी चली गई थी। इस बयान के बाद साफ हो गया कि अजय पर लगाए गए आरोप निराधार थे। लेकिन पुलिस कार्रवाई और गांव में उसकी छवि बिगड़ने से परेशान होकर अजय ने विरोध जताने का अनोखा तरीका अपनाया और मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उसे नीचे उतारने की कोशिश की। अधिकारियों ने लड़की का लिखित बयान अजय को पढ़वाया और भरोसा दिलाया कि उस पर कोई केस दर्ज नहीं होगा और उसका नाम रिपोर्ट से हटा दिया जाएगा। लंबे समझाइश और भरोसा दिलाने के बाद आखिरकार युवक टॉवर से नीचे उतरा। सेवड़ा थाना प्रभारी अरविंद भदौरिया ने बताया कि अजय का कहना था कि जब वह निर्दोष है तो उस पर रिपोर्ट क्यों दर्ज की गई। उसे समझाइश देकर सुरक्षित नीचे उतारा गया और फिर परिजनों के हवाले कर दिया गया।

आरएसएस प्रमुख भागवत के 'तीन बच्चे' वाले बयान पर सियासी घमासान

बीजेपी ने बताया गंभीर विषय, कांग्रेस बोली जनता को भटकाने की कोशिश, लोगों ने महंगाई और पालन-पोषण पर उठाए सवाल

जबलपुर/भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने तीन बच्चों की अनिवार्यता पर जोर दिया, ने सियासी बहस को गरमा दिया है। इस बयान को लेकर जहां भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इसे गंभीर मुद्दा करार दिया है, वहीं कांग्रेस ने इसे जनता को असल समस्याओं से भटकाने वाली बात बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। दूसरी ओर आम जनता की प्रतिक्रिया भी मिली-जुली रही, जिसमें कुछ ने इसे सही दिशा बताया तो कई लोगों ने बढ़ती महंगाई और बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। लोगों का कहना है कि इस दौर की महंगाई में तीन बच्चों की बात करना अव्यावहारिक है। कई परिवार तो एक बच्चे की पढ़ाई-लिखाई का खर्च उठाने में ही असमर्थ हैं। स्कूलों की फीस हजारों में है, पर प्रशासन के दखल के

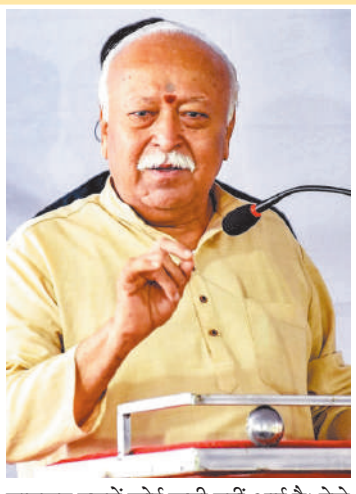

बावजूद उसमें कोई कमी नहीं आई है। ऐसे में लोगों का सवाल है कि सरकार जब तक बच्चों की शिक्षा और पालन-पोषण की मजबूत व्यवस्था नहीं करती, तब तक इस तरह की बातें सिर्फ हवाई साबित होंगी। कुछ लोगों ने भागवत के बयान का समर्थन भी किया और कहा कि तीन-चार बच्चों का होना चाहिए, लेकिन सरकार को इनके पालन-पोषण और पढ़ाई-लिखाई की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

बीजेपी की ओर से प्रदेश प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा कि सनातन धर्म की परंपरा में बड़े-बुजुर्ग हमेशा परिवार को लेकर सलाह देते रहे हैं और धर्मगुरुओं के सुझावों का सम्मान करना चाहिए। संघ प्रमुख का बयान भी उसी संदर्भ में है। हालांकि परिवार नियोजन का फैसला व्यक्तिगत होता है, लेकिन समाज में जनसंख्या असंतुलन और अन्य चुनौतियों को देखते हुए इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यादव ने आगे कहा कि देश में एक वर्ग जनसंख्या के नाम पर जिहाद कर रहा है, ऐसे में भागवत का बयान निश्चित ही गंभीर और विचारणीय है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरएसएस कार्यकर्ताओं को तो शादी करने और परिवार बसाने से रोका जाता है, फिर भी संघ प्रमुख आम लोगों को तीन बच्चे पैदा करने की सलाह दे रहे हैं। यह विरोधाभासी रवैया है और देशहित में नहीं है। त्रिपाठी ने आगे कहा कि देश पहले ही जनसंख्या विस्फोट जैसी समस्या से जूझ रहा है, जहां 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर आश्रित हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का संकट गहराया हुआ है। ऐसे में इस तरह के बयान देना सिर्फ असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का तरीका है। कांग्रेस ने जोर दिया कि सरकार को चीन, पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर चर्चा करनी चाहिए, न कि जनसंख्या बढ़ाने की सलाह देनी चाहिए।

गणेश पंडाल पर बिजली गिरने से 17 वर्षीय युवक की मौत, तीन भक्त घायल

खंडवा। गणेशोत्सव के बीच गुरुवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। पंधाना थाना क्षेत्र के खरखड़ी गांव में गणेश जी के पंडाल पर अचानक आसमान से बिजली गिर पड़ी। इस हादसे में 17 वर्षीय युवक सुरेश पिता रूप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें तत्काल स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पूरे गांव में यह घटना मातम और दहशत का माहौल छोड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुरुवार रात को गणेश जी की आरती सम्पन्न होने के बाद ज्यादातर भक्त अपने-अपने घर चले गए थे। लेकिन तभी अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवा और बारिश के साथ आसमान में गड़गड़ाहट होने लगी। इसी बीच कुछ युवक पंडाल को ढांकने और सुरक्षित करने पहुंचे। जैसे ही वे पंडाल को संभालने की कोशिश कर रहे थे, अचानक जोरदार बिजली कड़की और सीधी गणेश पंडाल पर जा गिरी। इस घटना की चपेट में आकर सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बिशन सहित तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बिशन ने होश में आने के बाद बताया कि आरती खत्म होने के बाद वे घर जा चुके थे, लेकिन अचानक बारिश और आंधी देखकर वापस लौटे ताकि पंडाल को ढंका जा सके। तभी यह हादसा हो गया और जब आंखें खुलीं तो खुद को अस्पताल में पाया।

एक्टिवा मोपेड के हेडलाइट में छिपा मिला जहरीला स्पेक्टिकल कोबरा, सुरक्षित रेस्क्यू

बैतूल। जिले में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने लोगों को दहशत में डाल दिया। चक्कर रोड इलाके में एक दोपहिया वाहन मालिक ने जैसे ही अपनी एक्टिवा मोपेड के अंदर झांका तो वह हैरान रह गया। उसकी गाड़ी के हेडलाइट के पास एक जहरीला स्पेक्टिकल कोबरा छिपा बैठा था। अचानक सांप को देखकर वाहन मालिक घबरा गया और तुरंत सर्पमित्र को सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, कोबरा लंबे समय तक मोपेड के अंदर छिपा रहा। जब सर्पमित्र मौके पर पहुंचे तो उन्होंने सबसे पहले गाड़ी के कई पुर्जे खोले और फिर सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद हेडलाइट के अंदर लिपटा हुआ कोबरा मिला, जिसे धीरे-धीरे बाहर निकाला गया। इसके बाद सर्पमित्र ने उसे सुरक्षित रूप से पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। गनीमत यह रही कि इस दौरान किसी को चोट नहीं आई और सांप को भी बिना किसी नुकसान के मुक्त कर दिया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि बरसात के मौसम में सांप अक्सर ऐसी जगहों पर घुस जाते हैं जहां उन्हें नमी और अंधेरा मिलता है। खासकर झाड़ियों के पास खड़े वाहन या लंबे समय तक उपयोग न किए गए वाहन उनके छिपने के लिए सुरक्षित जगह बन जाते हैं। इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।मानसून के दिनों में या लंबे समय तक वाहन खड़ा रहने के बाद उसे इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह जांचें। गाड़ी स्टार्ट करने से पहले उसके आसपास जोर से आवाज करें, ताकि किसी जानवर के छिपे होने का अंदाजा लग सके। वाहन को झाड़ियों या अंधेरे स्थानों पर पार्क करने से बचें। और अगर कभी वाहन के अंदर या आसपास सांप नजर आए तो उसे खुद निकालने की कोशिश बिल्कुल न करें। तुरंत स्थानीय वन विभाग या सांप बचाव दल से संपर्क करें, ताकि सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जा सके।

चीफ सेक्रेटरी अनुराग जैन के कार्यकाल बढ़ाने पर जीतू पटवारी का बयान

सरकार की नीतियों और प्रशासनिक अराजकता पर उठाए सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के चीफ सेक्रेटरी अनुराग जैन के कार्यकाल विस्तार को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अनुराग जैन निस्संदेह एक वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुख्यमंत्री उन्हें कितना महत्व और भरोसा देते हैं। पटवारी ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य इस समय कर्ज के भारी बोझ तले दबा हुआ है और ऐसे समय में चीफ सेक्रेटरी की जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है। उनका मानना है कि चूंकि अनुराग जैन लंबे समय तक आर्थिक विभाग से जुड़े रहे हैं, इसलिए उन्हें इस क्षेत्र में ठोस और प्रभावी कदम

उठाने चाहिए। पटवारी ने इस दौरान प्रशासनिक अराजकता का मुद्दा भी जोरशोर से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच का टकराव अब खुलेआम सड़कों पर दिखाई देने लगा है, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार की पकड़ लगातार कमजोर होती जा रही है, मंत्री बेलगाम हो चुके हैं और पूरी सरकार षडयंत्रों और आंतरिक कलह में उलझी हुई है। ऐसे हालात में मुख्यमंत्री और सरकार की जवाबदेही तो बनती ही है, लेकिन साथ ही चीफ सेक्रेटरी पर भी यह जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि वे प्रशासन को नियंत्रित करें और व्यवस्था को दुरुस्त करें।

मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

आईएएस अफसरों को संपत्ति का ब्यौरा देना अनिवार्य, समय पर जानकारी नहीं दी तो अटक जाएगा प्रमोशन

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब प्रशासनिक अफसरों के लिए नियम और भी सख्त हो गए हैं। राज्य के सभी भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारियों को अपनी चल-अचल संपत्ति का पूरा ब्यौरा हर हाल में तय समय सीमा के भीतर देना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए साफ कर दिया है कि यदि कोई भी अधिकारी 31 जनवरी तक अपनी संपत्ति का विवरण जमा नहीं करता है तो उसका प्रमोशन रोक दिया जाएगा। दरअसल, सरकार की यह पहल पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अब तक कई अफसर समय पर अपनी प्रॉपर्टी का ब्योरा जमा करने में लापरवाही बरतते रहे हैं, जिससे शासन-प्रशासन में सवाल खड़े होते रहे। लेकिन नए आदेश के बाद अफसरों को सख्ती से तय नियमों का पालन करना होगा। सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सरकारी सेवाओं में कार्यरत अधिकारी किसी भी प्रकार की अघोषित संपत्ति न रखें। इसलिए संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज कराना अनिवार्य किया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि अफसरों की पदोन्नति और अन्य प्रशासनिक लाभ अब इसी आधार पर तय होंगे। गौरतलब है कि भारत सरकार पहले से ही अपने सभी अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों से हर साल जनवरी तक संपत्ति का विवरण देने को कहती रही है। अब मध्यप्रदेश सरकार ने इस नियम को और सख्त करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि बिना संपत्ति विवरण दिए किसी भी अधिकारी को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिलेगा। यह आदेश अफसरों के बीच हलचल मचा रहा है, क्योंकि अब उन्हें न केवल अपनी संपत्ति की जानकारी समय पर देनी होगी बल्कि पारदर्शिता भी बनाए रखनी होगी। माना जा रहा है कि इस फैसले से न केवल प्रशासन में ईमानदारी और जवाबदेही की भावना बढ़ेगी बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर से विवाद के बाद बीजेपी विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह पर गहराया संकट

भोपाल तलब कर आलाकमान ने मांगा जवाब

भोपाल। राजनीति इन दिनों एक बड़े विवाद से गरमा गई है। भिंड जिले में बीजेपी विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के बीच हुए तीखे विवाद ने सियासी माहौल को पूरी तरह हिला दिया है। यह विवाद 27 अगस्त को जिला मुख्यालय पर कलेक्टर के बंगले के बाहर हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विधायक कुशवाह और कलेक्टर के बीच जमकर बहस हुई। आरोप है कि विधायक ने कलेक्टर पर मुक्का तानने और अपशब्दों का इस्तेमाल करने तक की कोशिश की। मामला उस समय और बिगड़ गया जब विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह अपने समर्थकों के साथ किसानों की खाद की कमी को लेकर कलेक्टर के बंगले पर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान कलेक्टर द्वारा उंगली दिखाने पर विधायक भड़क उठे और उन्होंने कलेक्टर को ÷चोर÷ कह डाला। इसके बाद उनके समर्थकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और ÷भिंड कलेक्टर चोर है÷ जैसे नारे लगने लगे। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि विधायक ने कलेक्टर पर हाथ उठाने तक की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर किसी बड़ी घटना को टाल दिया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान ने इसे बेहद गंभीरता से लिया है। पार्टी की साख और छवि पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह और संगठन महामंत्री हटानंद शर्मा ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह को भोपाल तलब कर लिया है। आलाकमान ने उनसे पूरे प्रकरण पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि इस विवाद ने न केवल भिंड जिले की सियासत को गर्मा दिया है, बल्कि भाजपा नेतृत्व के लिए भी असहज स्थिति पैदा कर दी है। पार्टी अब यह तय करेगी कि विधायक कुशवाह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए या फिर उन्हें चेतावनी देकर मामला शांत किया जाए। यह पूरा घटनाक्रम प्रदेश की राजनीतिक और प्रशासनिक स्थिति पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक ओर किसान खाद संकट से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नेताओं और अधिकारियों के बीच टकराव ने आम जनता की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। अब सबकी निगाहें भाजपा आलाकमान के फैसले पर टिकी हैं, जो आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति की दिशा तय कर सकता है।

महाकाल मंदिर के पास प्रशासनिक अमले की बड़ी कार्रवाई

अवैध चिकन-मटन दुकानों पर चला सरकार का बुलडोजर

उज्जैन। अवैध कब्जाधारियों और गुंडा-बदमाशों के खिलाफ सरकार की लगातार बुलडोजर कार्रवाई जारी है। इसी सिलसिले में विश्व प्रसिद्ध भगवान महाकालेश्वर मंदिर के पास चल रही चिकन और मटन की अवैध दुकानों पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की। उज्जैन नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इन अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार, शहर की अनीसा बी की बिल्डिंग के दो हिस्सों में लंबे समय से चिकन और मटन की दुकानें अवैध तरीके से संचालित की जा रही थीं। मोहम्मद वसीम और मोहम्मद शादाब द्वारा इन दुकानों का संचालन किया जा रहा था। हाईकोर्ट से स्टे आदेश खत्म होने के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई शुरू की। इसके लिए मौके पर 50 पुलिस अधिकारी और जवान, 100 से अधिक नगर निगम कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए गए। आधा दर्जन बुलडोजर और पोकलेन मशीन की मदद से अवैध दुकानों को जमींदोज कर दिया गया। गौरतलब है कि ढाई महीने पहले भी इसी क्षेत्र में 12 इमारतों पर बुलडोजर चलाया गया था। इस बार की कार्रवाई विशेष रूप से चर्चित इसलिए रही क्योंकि यह अंगारा रेस्टोरेंट पर हुई, जो उज्जैन के मुस्लिम बाहुल्य बेगमबाग क्षेत्र में स्थित था। यह दुकान काफी समय से शहर में नॉनवेज के लिए मशहूर रही है, लेकिन महाकाल मंदिर के पास होने के कारण हिंदूवादी संगठनों द्वारा बार-बार आपत्ति दर्ज कराई गई थी। संगठनों का कहना था कि महाकाल मंदिर पहुंच मार्ग पर इस तरह की दुकानें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं और इन्हें हटाया जाना चाहिए।

महाबली बुधादित्य योग का निर्माण, व्यापार-जगत को मिलेगा संबल

भारत की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी

भोपाल। महाबली बुधादित्य योग का 30 अगस्त की तड़के 4:35 बजे से शुभारंभ होने जा रहा है। ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल के आचार्य पंडित विनोद गौतम के अनुसार यह पंच महायोगों में से एक प्रमुख योग है। जिसका निर्माण सूर्य और बुध के सिंह राशि में युति से हुआ है।

उन्होंने बताया कि बुध को व्यापार का कारक ग्रह माना जाता है। इसलिए यह योग विशेष रूप से व्यापार जगत के लिए शुभकारी रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में आई बाधाएं कम होंगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। गौतम ने कहा कि इस योग का सीधा असर राजनीति और कूटनीति पर भी दिखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान जापान-चीन यात्रा इस योग से विशेष सहयोग प्राप्त करेगी। भारत की वार्ताएं सकारात्मक रहेंगी और शत्रु देशों की मानसिक स्थिति पर असर पड़ेगा।

एम्स भोपाल में ऑपरेशन कराना है तो सामान खुद लाएं

एजेंसी नहीं दे रही दवाइयां, इस साल 56 हजार ऑपरेशन घटे; डॉक्टर मरीज लौटा रहे

भोपाल। भोपाल के AIIMS (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस) से मरीजों का भरोसा डगमगाने लगा है। दवाओं और ऑपरेशन कंज्यूमेबल्स की कमी के चलते ऐसा हो रहा है और यह कमी सेंट्रल एजेंसी पर भरोसा दिखाने के कारण हुई है। हालात ऐसे हैं कि एक से डेढ़ हफ्ते तक भर्ती रहने के बाद भी मरीज बिना सर्जरी लौट रहे हैं। एम्स की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2024 में यहां ऑपरेशन का कुल आंकड़ा 60 हजार 687 था, जो इस साल अगस्त में 4 हजार 508 रह गया है। इस तरह पिछले अगस्त के मुकाबले इस साल लगभग 56 हजार सर्जरी कम हुई हैं। यह स्थिति जनवरी 2025 से बनी हुई है। हर साल इलाज के लिए एम्स की ओपीडी में 10 लाख से अधिक मरीज पहुंचते हैं। यहां भर्ती मरीजों की संख्या 58 हजार से ज्यादा रहती है। एम्स की फाइनेंशियल रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में यहां 11 हजार 547 माइनर सर्जरी, 18 हजार 156 मेजर सर्जरी और 6 लाख 98 हजार प्रोसीजर हुए। इसके बाद जनवरी 2025 में स्थिति बिगड़ती चली गई और लिस्ट भेजने के बाद भी जरूरी कंज्यूमेबल्स नहीं मिले। एम्स के एक सीनियर डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर

कहा- हमें मरीजों को लौटाना पड़ रहा है। हम बीते 8 माह से यह सुन रहे हैं कि एक से डेढ़ हफ्ते में स्थिति बदल जाएगी। मरीजों को परेशान होता देख अब हमसे रुका नहीं गया इसलिए यह पूरी जानकारी साझा कर रहे हैं। जिससे समस्या की गंभीरता और सुधार के लिए क्या जरूरी है, इसकी पूरी जानकारी जिम्मेदारों तक पहुंच सके।

कैप-ग्लव्स, दवा से लेकर सर्जिकल सामान तक की किल्लत - एम्स में इन दिनों सर्जिकल कैप्स, ग्लव्स, मास्क, शुगर टेस्टिंग स्ट्रिप जैसी बुनियादी चीजें तक उपलब्ध नहीं हो रही हैं। ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और वार्ड में इस्तेमाल होने वाला रोजमर्रा का सामान मुश्किल से मिल रहा है। स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अस्पताल के हर विभाग ने ई-मेल से प्रबंधन को स्टॉक आउट की सूचना भेजी है। मरीजों के परिजन से डॉक्टरों ने सामान मंगवाया तो प्रबंधन ने आदेश जारी कर दिए कि बाहर से सामान न मंगवाया जाए। एम्स भोपाल में दवा खरीदी के लिए जीएफआर 2017 के नियमों का पालन नहीं हुआ। यहां पिछले 3-4 साल से टेंडर नहीं निकले और सीधे अमृत फार्मेसी से करोड़ों की दवाएं खरीदी गईं। इस पर आपत्ति उठी और शिकायतें स्वास्थ्य मंत्रालय तक पहुंचीं।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, शनिवार 30 अगस्त , 2025

इंदौर नगर निगम की जोनल कमेटियों में जल्द होंगे नए सदस्य, महापौर ने शुरू की तैयारी, विधायकों से मांगे नाम

इंदौर। नगर निगम की 22 जोनल कमेटियों में अब महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा दो-दो सदस्यों का मनोनयन किया जाएगा। इसके लिए महापौर ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और शहर के सभी विधायकों से उनकी ओर से नामों की अनुशंसा मांगी है। राज्य सरकार और भाजपा संगठन की ओर से जहां रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर भी महापौर ने सक्रियता दिखाना शुरू कर दिया है। दरअसल, नगर निगम अधिनियम के तहत हर जोनल कार्यालय क्षेत्र के पार्षदों से जोनल अध्यक्ष का चुनाव होता है और जोनल अधिकारी उस समिति का सचिव होता है। इसके अलावा क्षेत्र के सभी पार्षद स्वतः ही समिति के सदस्य होते हैं। लेकिन एक विशेष अधिकार महापौर को भी दिया गया है जिसके तहत वे हर जोनल कमेटी में दो सदस्यों का मनोनयन कर सकते हैं। इसी अधिकार का उपयोग करने के लिए महापौर भार्गव ने शहर के सभी विधायकों से नाम मांगे हैं ताकि उनके आधार पर आगे की कार्रवाई

की जा सके। सूत्रों की मानें तो महापौर का लक्ष्य है कि 15 सितंबर तक सभी जोनल कमेटियों में नए सदस्यों की नियुक्ति कर दी जाए। इंदौर नगर निगम के 22 जोनल कार्यालयों में कुल 44 लोगों को सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाएगा। महापौर भार्गव का कहना है कि यह प्रक्रिया बहुत जल्द पूरी कर दी जाएगी ताकि हर क्षेत्र में जोनल कमेटियों का काम और अधिक प्रभावी तरीके से संचालित हो सके। इसके साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का एक राजनीतिक पहलू भी है। पहले से ही महापौर ने हर विधानसभा क्षेत्र में अपने प्रतिनिधि नियुक्त कर दिए थे। अब इन जोनल कमेटियों में मनोनीत सदस्यों के जरिए वे हर विधानसभा क्षेत्र में अपनी एक मजबूत टीम खड़ी कर लेंगे। इससे महापौर का नेटवर्क और राजनीतिक पकड़ दोनों ही मजबूत होंगे। हालांकि इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 में सामने आएगी। यहां की विधायक मालिनी गौड़ और महापौर के बीच पहले से ही तीखी अदावत चल रही है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि महापौर इस क्षेत्र की जोनल कमेटियों में किस तरह अपने सदस्यों को नियुक्त करते हैं और राजनीतिक टकराव से कैसे निपटते हैं।

लव जिहाद फंडिंग मामले के फरार पार्षद अनवर कादरी ने कोर्ट में किया सरेंडर, हुलिया बदलकर पहुंचा, पुलिस ने 8 दिन की रिमांड की मांग

इंदौर। शहर का बहुचर्चित लव जिहाद फंडिंग मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। लंबे समय से फरार चल रहे कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी ने आखिरकार शुक्रवार सुबह वकील की वेशभूषा में जिला कोर्ट में सरेंडर कर दिया, इस दौरान उसने दाढ़ी और मूंछ भी कटवा ली थी कादरी पर 40 हजार रुपये का इनाम घोषित था. पुलिस उसकी संपत्ति जब्त करने वाली थी, उससे पहले ही उसने सरेंडर कर दिया है, पुलिस ने अनवर की गिरफ्तारी कर 8 दिन का रिमांड मांगा है. अनवर पर आरोप है कि उसने हिंदू युवतियों से दुष्कर्म करवाया और लव जिहाद के आरोपियों को फंडिंग की. बाणगंगा थाना क्षेत्र में उसके खिलाफ दो मामले दर्ज हैं.

पुलिस के अनुसार, इन मामलों के दर्ज होते ही कादरी फरार हो गया था और कई महीनों तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई। पुलिस ने लगभग दो महीने से फरार पार्षद की गिरफ्तारी में मददगार जानकारी देने पर 40 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था लेकिन इसके बावजूद वह पकड़ में नहीं आया। कादरी ने पुलिस द्वारा उसकी संपत्ति जब्त करने से एक दिन पहले ही आत्मसमर्पण कर दिया। इस

बीच, जांच एजेंसियों ने दिल्ली से उसकी बेटी को भी इसी प्रकरण में गिरफ्तार किया था, जिससे पूरे मामले ने और तूल पकड़ लिया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि सरेंडर के बाद पुलिस अब कादरी से पूछताछ की तैयारी कर रही है। जांच का फोकस इस बात पर होगा कि फंडिंग कहां से और किस उद्देश्य से हो रही थी, इसमें और कौन-कौन शामिल हैं, और क्या यह नेटवर्क केवल इंदौर तक सीमित है या इसके तार अन्य राज्यों से भी जुड़े हैं।

पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस के अनुसार, शहर के दो युवकों - साहिल शेख और अल्ताफ शाह - ने जून में पूछताछ के दौरान कथित तौर पर स्वीकार किया था कि कादरी ने उन्हें लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने के लिए तीन लाख रुपये दिए थे. उन्होंने बताया कि दोनों को दो महिलाओं से बलात्कार और अन्य अपराधों के आरोप में अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था. दोनों व्यक्तियों के बयानों के आधार पर, कादरी के खिलाफ आर्थिक प्रलोभन देकर लड़कियों/महिलाओं का धर्म परिवर्तन कराने की साजिश में शामिल होने का मामला दर्ज किया गया है. बाणगंगा थाना प्रभारी सियारा सिंह ने कहा, %आत्मसमर्पण की सूचना मिलने के बाद, एक टीम जिला न्यायालय भेजी गई और अदालत की अनुमति से उसे थाने ले जाया गया.%

%लव जिहाद% शब्द का इस्तेमाल दक्षिणपंथी संगठन यह दावा करने के लिए करते हैं कि मुस्लिम पुरुष दूसरे धर्मों की महिलाओं को प्रेम जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं. इससे पहले, इंदौर के कलेक्टर आशीष सिंह ने सार्वजनिक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कादरी को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार करने का आदेश जारी किया. अधिकारियों ने बताया कि पार्षद के खिलाफ विभिन्न थानों में 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं.

गुमशुदगी से लेकर मंदसौर में शादी तक, श्रद्धा की प्रेम कहानी बनी चर्चा का विषय

इंदौर। इंदौर की 22 वर्षीय श्रद्धा तिवारी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं लगती। पिछले शनिवार को रहस्यमयी ढंग से लापता

हुई श्रद्धा आखिरकार शादी कर अपने पति के साथ लौट आई है। सात दिनों की बेचैनी, माता-पिता की चिंता और पुलिस की तलाश के बाद श्रद्धा ने खुद सामने आकर यह राज खोला कि उसने मंदसौर में एक इलेक्ट्रीशियन से शादी कर ली है। श्रद्धा की कहानी में मोड़ तब आया जब वह अपने प्रेमी सार्थक के साथ भागने की योजना बना रही थी। तय समय पर जब सार्थक रेलवे स्टेशन नहीं पहुंचा, तो निराश होकर श्रद्धा ने ट्रेन से कूदकर अपनी जान देने की कोशिश की। इसी दौरान उसकी मुलाकात कॉलेज में काम करने वाले एक इलेक्ट्रीशियन से हुई। उसने न केवल श्रद्धा को आत्महत्या से रोका, बल्कि उसे सहारा देकर जीवन की नई दिशा भी दी और दोनों ने वहीं शादी रचा ली। इसके बाद श्रद्धा अपने पति के साथ सीधे एमआईजी थाने पहुंची और अपनी कहानी पुलिस के सामने रख दी। श्रद्धा ने पुलिस को बताया कि सार्थक की बेवफाई से आहत होकर वह बुरी तरह टूट गई थी और उसी झुंझलाहट में जान देने का फैसला कर लिया था। लेकिन इलेक्ट्रीशियन की मौजूदगी और उसके सहयोग ने उसे मौत से वापस जीवन की ओर मोड़ दिया। यही कारण है कि उसने उसी के साथ विवाह का निर्णय लिया। पुलिस और परिवार के लिए यह घटना बेहद चौंकाने वाली थी। दरअसल, श्रद्धा के अचानक गायब हो जाने से उसका परिवार सदमे में था। परिजन ने हर संभव कोशिश की, यहां तक कि उसके पिता ने तंत्र-मंत्र के टोटकों का सहारा भी लिया। श्रद्धा की तस्वीर को घर के दरवाजे पर उल्टा लटकाया गया, मान्यता थी कि इससे बेटी घर लौट आएगी। परिवार ने श्रद्धा का पता बताने वाले को 51,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की थी।

शाम को झमाझम बरसे बादल, आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा, आज भी बारिश के आसार

इंदौर। शहर में मौसम ने अचानक करवट ली और सोमवार को दिनभर खुला आसमान रहने के बाद शाम होते-होते बादलों ने डेरा डाल दिया। करीब चार बजे के आसपास अचानक घने बादल छा गए और देखते ही देखते पूरे शहर में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। झमाझम बारिश से लोग गली-मोहल्लों और सड़कों पर भीगते नजर आए। हालांकि यह सिलसिला अधिक देर तक नहीं चला और कुछ समय बाद बारिश थम गई। इसके बाद देर रात तक रुक-रुक कर हल्की बूंदाबांदी होती रही, जिससे शहर को राहत के साथ-साथ ठंडक भी मिली। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार शाम से लेकर रात तक कुल 0.54 इंच बारिश शहर में दर्ज की गई। इस ताजा बारिश के साथ ही अब तक का कुल बारिश का आंकड़ा 20.54 इंच तक पहुंच गया है। हालांकि यह सामान्य आंकड़े से अभी भी 7.6 इंच कम है, जिससे साफ जाहिर होता है कि इस बार मानसून पूरी तरह मेहरबान नहीं हो पाया है। कल दिन में मौसम साफ रहने और धूप खिली रहने से तापमान में तेजी आई। सोमवार को अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 2 डिग्री ज्यादा रहा। यह परसों की तुलना में 2.8 डिग्री की बढ़ोतरी थी। वहीं, रात का न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक लेकिन परसों की रात की तुलना में 0.5 डिग्री कम रहा। इस दौरान हवाओं की दिशा उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी रही और उनकी रफ्तार भी तेज रही। मौसम केंद्र के अनुसार शाम के वक्त हवाओं की गति 37 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई, जिसने मौसम को और भी सुहावना बना दिया। मौसम विभाग का कहना है कि आज भी इंदौर में अच्छी बारिश के आसार बने हुए हैं। अगर बारिश का यह सिलसिला जारी रहता है तो शहर को सामान्य बारिश के आंकड़े के करीब पहुंचने में मदद मिल सकती है। फिलहाल शहरवासी झमाझम बारिश की उम्मीद में आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं।

हेलिपैड के नाम पर हरियाली पर कुल्हाड़ी, नगर निगम पर उठे सवाल

इंदौर। शहर में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बचाने के दावे करने वाला नगर निगम खुद ही इन दावों को ध्वस्त करता दिखाई दे रहा है। ताजा मामला पीटीसी (पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज) परिसर का है, जहां हेलिपैड बनाने के नाम पर निगम का बाग़वानी अमला बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाईङ्कछंटाई कर रहा है। परिसर में जगह-जगह गिरे पेड़ों की डालियां साफ संकेत दे रही हैं कि ऑक्सीजन देने वाले हरे-भरे पेड़ जमींदोज़ कर दिए गए हैं।

स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि जब आम नागरिक एक भी पेड़ काटता है तो उस पर भारी जुर्माना ठोंका जाता है, लेकिन नगर निगम का अमला ही खुलेआम पेड़ों की बलि चढ़ा रहा है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि हेलिपैड के लिए

पेड़ों की हत्या किसी भी तरह उचित नहीं ठहराई जा सकती। शहर की हरियाली लगातार कम होती जा रही है और गर्मी व प्रदूषण बढ़ रहा है, ऐसे में निगम को संवेदनशील होकर विकल्प तलाशने चाहिए, न

कि खुद ही पेड़ काटने वालों की कतार में खड़ा होना चाहिए। इधर, इसी दौरान डेली कॉलेज में भी पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया। गेट बनाने के लिए प्रबंधन ने तीन पेड़ काट दिए थे, जिस पर निगम ने कार्रवाई करते हुए कॉलेज पर 30 हज़ार रुपए का जुर्माना लगाया। सवाल यह है कि जब निजी संस्थान को पेड़ काटने पर दंडित किया जा सकता है, तो नगर निगम को मनमानी करने और हरे-भरे पेड़ों को काटने का अधिकार किसने दे दिया?

नागरिकों का कहना है कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए। यदि निगम पर्यावरण संरक्षण के लिए जुर्माना वसूलता है, तो उसे स्वयं भी पेड़ काटने से बचना होगा। वरना यह कार्रवाई दोहरे मापदंड और जनता के साथ धोखा मानी जाएगी।

एमजी रोड स्थित आनंद भवन में लगी आग, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर। शहर के एमजी रोड स्थित ऐतिहासिक महत्व वाली आनंद भवन बिल्डिंग में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। यह इमारत होल्कर राजघराने के सामने स्थित है और शहर के प्रमुख स्थलों में गिनी जाती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने का कारण एसी यंत्र में आई तकनीकी खराबी बताया जा रहा है। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से फैलने लगी और आसपास अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की

कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग से कितनी क्षति हुई है, इसका आकलन किया जा रहा है। साथ ही आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में संभावना जताई गई है कि शॉर्ट सर्किट या एसी की तकनीकी खराबी से यह हादसा हुआ। मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई थी, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय प्रशासन ने बिल्डिंग मालिक और प्रबंधन को आग से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, इस घटना ने एक बार फिर से शहर की व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पब संचालक भूपेंद्र रघुवंशी आत्महत्या मामला मुंबई की इति तिवारी का अन्नपूर्णा थाने में सरेंडर

इंदौर। इंदौर के बार और क्लब के मालिक भूपेंद्र रघुवंशी की आत्महत्या मामले में नया मोड़ आया है. इस मामले में मुंबई की रहने वाली इति तिवारी नाम की युवती का नाम सामने आ रहा था, अब इसने शुक्रवार को अन्नपूर्णा थाने में वकील जिल शर्मा के जरिए सरेंडर किया है. भूपेंद्र रघुवंशी की आत्महत्या मामले में अपने ऊपर लगे आरोपोंय को इति तिवारी ने निराधार बताया है. उसने कहा कि मेरे खिलाफ लग आरोप सब गलत हैं. उन्होंने कहा कि उनकी सिर्फ भूपेंद्र रघुवंशी से मात्र दोस्ती थी.

सुसाइड नोट में महिला पर लगाए आरोप

शराब कारोबारी भूपेंद्र रघुवंशी ने 26 अगस्त को आत्महत्या कर

ली थी. मरने से पहले उन्होंने पांच पन्नों का सुसाइड नोट भी लिखा था. जिसमें आत्महत्या के पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया है. उन्होंने महिला पर आरोप लगाया था, आरोपी महिला ने ब्लैकमेल कर 23 लाख रुपये भी वसूल लिए. महिला ने शराब कारोबारी भूपेंद्र रघुवंशी को ब्लैकमेल और मानसिक तनाव देकर इतना परेशान कर दिया कि उसने आत्महत्या कर ली.

परिजनों ने आरोप लगाया था कि आरोपी महिला इंदौर में रहती थी, लेकिन बाद में नौकरी लगने पर मुंबई शिफ्ट हो गई थी. महिला फिर भी ब्लैकमेल का गंदा खेल बंद नहीं किया और वहां से रुपये भी ऐंठे. वह कार और फ्लैट तक की डिमांड करने लगी थी.

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट प्रसारित करने वाला आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। राज्य साइबर सेल इंदौर पुलिस ने अश्लील कंटेंट का दुरुपयोग कर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारित करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी व्हाट्सएप एप के माध्यम से फरियादिया के मोबाइल नंबर पर आपत्तिजनक वीडियो भेजता था।फरियादिया ने 22 जनवरी 2019 को शिकायत दर्ज कराई थी कि 12 नवंबर 2018 को उसके व्हाट्सएप नंबर पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा दो अलग-अलग अश्लील वीडियो भेजे गए। इस पर साइबर पुलिस इंदौर ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप पुलिस अधीक्षक साइबर जोन इंदौर नरेंद्र रघुवंशी के निर्देशन में निरीक्षक सुरेंद्र वास्कले और उनकी टीम को जांच सौंपी गई।

तकनीकी विश्लेषण और लगातार खोजबीन के बाद पता चला कि आरोपी ने स्वयं के मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी से यह अपराध किया था। इस पर उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 30/2019 धारा 67, 67(ए) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की गई। आरोपी अपराध करने के बाद भी निश्चिंत होकर समाज में रह रहा था और आजीविका के लिए अलग-अलग स्थानों पर होटल में काम करता था। यही कारण था कि उसकी लोकेशन सटीक रूप से सामने नहीं आ रही थी। टीम ने मुखबिरों की मदद से उसकी वर्तमान लोकेशन राजस्थान के निम्बाहेड़ा में चिन्हित की और अथक प्रयास के बाद उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी का नाम सोनू पिता भगवानदास गोस्वामी (उम्र 45 वर्ष) निवासी इंदौर, हाल निवासी ग्राम निम्बाहेड़ा, राजस्थान है। साइबर सेल ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। किसी भी प्रकार का अश्लील कंटेंट अपलोड, डाउनलोड या शेयर करना कानूनी अपराध है। अपने मोबाइल से दूसरों को सोशल मीडिया अकाउंट (व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि) का इस्तेमाल न करने दें। इसके अलावा, नाबालिग बच्चों के अश्लील वीडियो शेयर करना आईटी एक्ट के तहत गंभीर अपराध है।

Sacred Heart Co-Education School में यातायात नियमों की पाठशाला आयोजित : डीसीपी ट्रैफिक ने युवाओं से किया सड़क सुरक्षा पर संवाद

इंदौर। युवाओं और छात्र-छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु Sacred Heart Co-Education School में एक विशेष यातायात नियमों की पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी जी रहे। इस अवसर पर श्री तिवारी ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की महत्ता और उनके पालन की आवश्यकता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हर नागरिक का सहयोग आवश्यक है। डीसीपी श्री तिवारी ने विशेष रूप से युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि युवा वर्ग यातायात नियमों के पालन के लिए आगे आए तो समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका डीसीपी ट्रैफिक ने सरल और प्रभावी ढंग से उत्तर दिया। विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं

को संबोधित करते हुए उन्होंने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने और मोबाइल फोन का प्रयोग न करने जैसी आवश्यक सावधानियों पर बल दिया। इस अवसर पर यातायात के प्रधान आरक्षक रणजीत सिंह भी उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों को यातायात अनुशासन के महत्व से अवगत कराया। मुख्य अतिथि द्वारा स्कूल के एनसीसी कैडेट्स को गतिविधियों में सक्रिय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु स्कूल प्रबंधन द्वारा यातायात पुलिस का आभार व्यक्त किया गया और आशा व्यक्त की गई कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित होते रहेंगे।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 30 अगस्त , 2025

संपादकीय

क्या ट्रंप की सख्ती उलटी पड़ेगी?

रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका ने भारत पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लागू कर दिया है। इसी के साथ उसकी ओर से भारत पर लगाया गया कुल शुल्क अब पचास फीसद हो गया है। निस्संदेह यह भारत पर दबाव बढ़ाने की रणनीति है। इससे भारतीय निर्यातकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। माना जा रहा है कि इससे भारत का निर्यात कारोबार प्रभावित हो सकता है, लेकिन इसकी सीमा क्या होगी, इसका आकलन करना अभी मुश्किल है। भारत की ओर से पहले ही यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा।

जाहिर है, भारत के इस रुख का आधार भी संभावित चुनौतियों से निपटने की रणनीतिक सोच पर आधारित होगा। मगर, इस सब के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड को भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि इसका असर उनके देश में भी होगा और यह सच्चाई वहां की जनता से ज्यादा दिन तक छिपाई नहीं जा सकती है।

अमेरिका ने पहले यह कह कर भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाया था कि उसके उत्पादों पर भी यहां अधिक शुल्क वसूला जाता है। इसके बाद अमेरिका की ओर से पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क का एलान कर दिया गया, जो बुधवार से प्रभावी हो गया। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि कुल पचास फीसद शुल्क से कपड़ा, चमड़ा, झींगा और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात पर असर पड़ सकता है। यहां इस बात पर गौर करना जरूरी है कि बीते वित्त वर्ष में भारत के 437.42 अरब डालर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का लगभग बीस फीसद हिस्सा था। तब

दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डालर रहा था, जिसमें 86.5 अरब डालर निर्यात और 45.3 अरब डालर आयात था।

इन सब चिंताओं के बीच रेटिंग एजंसी क्रिसिल ने अपनी ताजा रपट में कहा है कि सरकार भले ही निवेश को बढ़ावा दे रही है, लेकिन निजी निगमित पूंजीगत व्यय धीमा बना हुआ है। ऐसे में पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क की वजह से निवेशकों की धारणा और ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौतों की शुल्क बाधाओं को कम कर और पूर्वानुमानित व्यापार नीतियों को स्थापित करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाया जा सकता है।

ऐसे में साफ है कि सरकार को शुल्क की चुनौती से निपटने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाने होंगे। विशेषज्ञों की मानें तो निर्यातकों को वित्तीय प्रोत्साहन देने, प्रतिस्पर्धी क्षमता मजबूत करने और घरेलू खपत बढ़ाने के उपायों के साथ-साथ व्यापार के वैकल्पिक विदेशी बाजारों की तलाश तेज करनी होगी। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस दिशा में सरकारी प्रयास शुरू हो गए हैं और वस्त्र निर्यात के लिए चालीस देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई गई है।

इस पहल के तहत रूस, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली, स्पेन, नीदरलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। इसके अलावा वाणिज्य मंत्रालय नए विदेशी बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए जल्द ही रसायन, रत्न एवं आभूषण सहित विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों के साथ बैठक करने पर विचार कर रहा है। उम्मीद है कि सरकार की ये कोशिशें रंग लाएंगी और शुल्क का दबाव बना कर मनचाहे परिणाम हासिल करने के अमेरिका के इरादे दम तोड़ते नजर आएंगे।

हर आपदा के बाद ही क्यों अलर्ट होता है अमला?

जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से हुआ हादसा दिल दहला देने वाली घटना है। माना जा रहा है कि मलबे में अभी भी कई लोग दबे हो सकते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह त्रासदी कितनी भयावह है। इस हादसे ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। मसलन, जब इस तरह की आपदा को लेकर पहले से चेतावनी जारी की गई थी तो श्रद्धालुओं को रोका क्यों नहीं गया? अगर अधिकारी समय रहते कदम उठाते, तो जानी नुकसान को टाला जा सकता था। यही नहीं, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। कई आवासीय इलाके जलमग्न हैं, दूरसंचार सेवाएं ठप हैं और सड़कों के अवरुद्ध होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसा लगता है कि शासन और प्रशासन ने पूर्व में आई प्राकृतिक आपदाओं से कोई सबक नहीं लिया है। इससे पहले हाल में किश्तवाड़ में बादल फटने से आई बाढ़ में कई लोगों की जान चली गई थी। हालांकि, प्रशासनिक स्तर पर कहा जा रहा है कि भूस्खलन की वजह बादल फटने का परिणाम था और भारी बारिश के मद्देनजर इस हादसे से पहले ही वैष्णो देवी मार्ग पर तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। जबकि, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों से पूछा है कि जब आपदा की पूर्व चेतावनी दी गई थी तो तीर्थ यात्रियों को मार्ग पर जाने से क्यों नहीं रोका गया। मगर, सवाल यह भी है कि अगर यात्रा रोक दी गई थी तो हादसे में इतने लोगों की जान कैसे चली गई? इसमें दोराय नहीं कि भूस्खलन और बाढ़ की इस आपदा से उबरने में लोगों को काफी वक्त लगेगा, क्योंकि पुलों और सड़कों से लेकर इमारतों तथा सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को काफी क्षति पहुंची है। यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर पहाड़ दरक रहे हैं, जमीन धंस रही है और नदियां उफन रही हैं, तो इसके मूल में क्या कारण हैं। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि प्रकृति से हो खिलवाड़ को कैसे रोका जाए। पहाड़ी इलाकों में अवैज्ञानिक तरीके से निर्माण और खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाना अब जरूरी हो गया है।

आज का कार्टून

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती।

ललित गर्ग

संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए-चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन-सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए

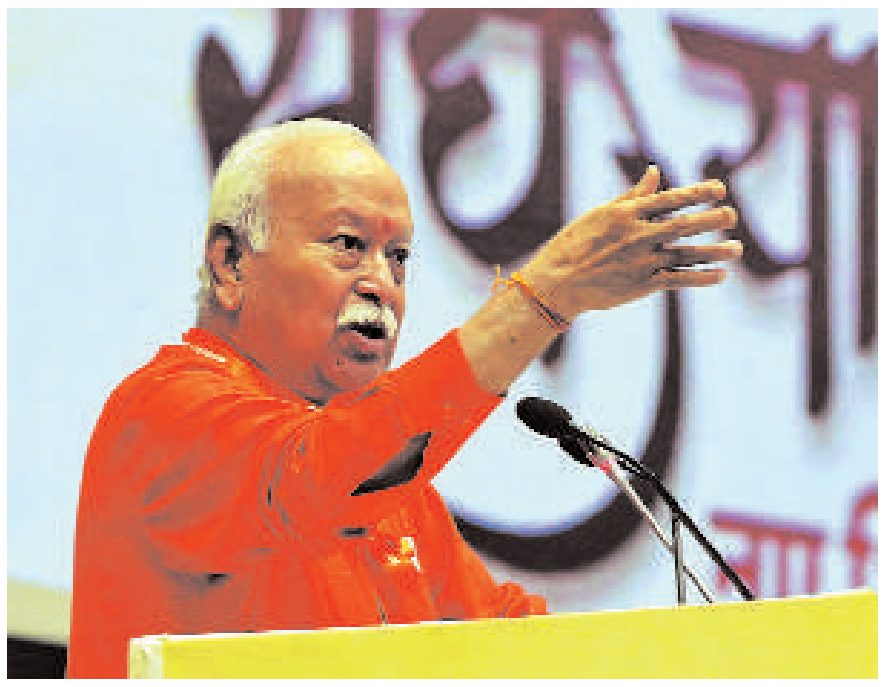

अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अतः यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं। इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति। इन चुनौतियों का समाधान केवल बाहरी सुधारों से नहीं, बल्कि भीतर से परिवर्तन लाने से होगा। यही संघ की कार्यप्रणाली है और यही भागवत का संदेश है। नये क्षितिज की ओर व्याख्यानमाला एक निष्कर्ष की ओर ही नहीं, बल्कि एक प्रश्न की ओर भी ले जाती है, क्या हम भारत को केवल भौतिक अर्थों में शक्तिशाली बनाना चाहते हैं या उसे वास्तव में विश्वगुरु बनाना चाहते हैं? यदि उत्तर दूसरा है, तो हमें भागवत के सन्देश को क्रियान्विति का धरातल देना ही होगा। दुनिया के लिये अपनेपन का नजरिया विकसित करना होगा, सौदे का नहीं।

अपनी मूलभूत जरूरतों के लिए, अधिकारों के लिए हमें हमेशा बिना डरे कदम उठाना चाहिए। जब हम साहसी होकर उन चीजों को जगह देने लगते हैं जो वास्तव में हमारे लिए आवश्यक हैं, तब पाते हैं कि कई सारी गैरजरूरी चीजें हमारे जीवन से अपने आप ही समाप्त होने लगती हैं जो हमने अपने भय, झिझक के चलते संग्रहीत कर रखी थीं। जब हम अपने आप में सहज हो जाते हैं, खुद को और अपनी जरूरतों को समझने लगते हैं, तब हम सही अर्थों में उम्मीदों और खुशियों से भरा उन्मुक्त जीवन जीने लगते हैं। अपने सही अधिकारों के लिए आवाज उठाना हर परिस्थिति में एक सकारात्मक कदम कहा जा सकता है जो हमारे जीवन को ही नहीं, समाज को भी सही दिशा की ओर आगे बढ़ाने में सक्षम है।

सिर्फ अच्छा सोचने भर से नहीं होता है काम...

एकता कानूनगो बक्षी

हम सभी के जीवन में दृष्टिकोण का बहुत महत्व है। हम अपने आसपास की चीजों, वातावरण और स्वयं को लेकर क्या धारणा रखते हैं, वही लगभग हमारे जीवन की परिभाषा बन जाती है। अगर हम अपने जीवन से खुश और संतुष्ट हैं, तो फिर अधिक फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे हमारे जीवन के बारे में क्या दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं अगर हम खुद को लेकर नकारात्मक, आलोचनात्मक रवैया रखते हैं, तो हमें लगभग हर दृष्टि ही घूरती हुई नजर आने लगती है।

हर परिस्थिति में सकारात्मक बने रहने के लिए हमें कई उदाहरण दिए जाते रहे हैं, जिसमें एक आधे भरे या आधे खाली गिलास का सिद्धांत भी प्रमुख है। हमारे सामने एक गिलास रख दिया जाता है, जिसमें आधा पानी भर दिया जाता है। अब हमसे पूछा जाता है कि यह गिलास आधा खाली है या भरा हुआ। हमारे जवाब से यह निर्धारित किया जाता है कि जीवन को लेकर हमारा नजरिया सकारात्मक है या नकारात्मक।

ऐसे ही अनगिनत उदाहरणों से हमें सकारात्मक बनाए रखने का प्रयास किया जाता रहा है। जो उपलब्ध है, जो मिल रहा है, उस पर अपनी दृष्टि बनाए रखिए। कहा भी गया

है कि संतोषी सदा सुखी, जो कि गलत भी नहीं है। प्रयास हमेशा करते रहना और जो हमारे पास है उसे तनावमुक्त होकर स्वीकार कर लेना, यह सुखी जीवन की चाबी कही जा सकती है।

जब हमारे वास्तविक अधिकारों की बात होने लगती है, तब नकारात्मक, सकारात्मक विचारधारा या हर हाल में संतुष्टि से भरे जीवन से परे यह समझना भी बेहद आवश्यक हो जाता है कि किसी दुकान में शीशे की अलमारी में रखी हुई वस्तु जरूरत की है भी या नहीं। उस वस्तु की जरूरत हमें वर्तमान में या भविष्य में रहेगी, कहीं वह हमारे लिए अवांछित तो नहीं है! हमारा उससे कोई संबंध है भी या नहीं! यह सोच सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण में हमें नहीं बांटती, बल्कि हमें मौका देती है उचित चुनाव करने का, हमारे अधिकारों पर विमर्श करने का, उन विश्लेषणों से खुद को बचा लेने का जो केवल उचित मुद्दों से भटकाव के लिए हमारे समक्ष रख दिए गए हैं, जिनका वास्तव में हमारे जीवन की बेहतरी से कोई सीधा संबंध ही नहीं है।

सदाचार का पाठ पढ़ाकर कई बार हमारे सामने ऐसी चीजें रख दी जाती हैं जो किसी और की स्वार्थपूर्ति के लिए बनाई गई होती हैं। ऐसे में हमें खुद को आशावान बने रहने के दबाव से मुक्त कर देना चाहिए। चीजों, परिस्थितियों के प्रति आशावादी होना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उनका हमारे जीवन में प्रासंगिक होना। हमेशा परिस्थितियों के वशीभूत बने रहकर जो मिला है उसमें किसी पीड़ित की तरह संतुष्ट बने रहने की कोशिश करने से बेहतर है, अपने सही अधिकारों के लिए आवाज उठाना, सवाल पूछना और बेहतरी के लिए कर्मबद्ध हो जाना। विकास इसी प्रक्रिया से संभव हो पाता है, जब हम गैरजरूरी चीजों का बहिष्कार करने का साहस खुद में जुटा पाते हैं और वास्तविक आवश्यकताओं की दिशा में अग्रसर होते हैं। ऐसा करने से हम न केवल खुद के जीवन में प्रगति लाते हैं, बल्कि अगली पीढ़ी की राहें भी आसान कर देते हैं। अपने जीवन से जुड़े विषयों या मुद्दों के बारे में अवगत रहना, अपने ध्यान को अपने लक्ष्य पर केंद्रित बनाए रखना भी जीवन के प्रति उम्मीद से भरा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। निश्चित ही हम सभी की जरूरतें भिन्न परिस्थितियों में अलग हो सकती हैं। मगर कुछ मूलभूत जरूरतें सभी मनुष्यों को सामान्य रूप से रहती हैं।

ऐसे में हमें यह देखना चाहिए कि क्या सभी को समान रूप से सुविधाएं उपलब्ध हैं और क्या सभी के गिलास में इतना पानी है कि सबकी प्यास बुझ पा रही है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि केवल कुछ लोगों के हिस्से में ही आधा भरा हुआ गिलास आया है। क्या गिलास के भीतर वाकई जरूरत का सामान भरा हुआ है या यह केवल प्रलोभन है! सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण से पहले यह देखना बेहद आवश्यक है कि क्या यह सही विषय है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता भी है। अक्सर हम अपना जीवन दूसरों की नजरों से देखते, समझते आए हैं, जिसके चलते हमारे निर्णय भी हमारी इसी डरी हुई सोच का परिणाम होने लगते हैं। हमारी उम्मीदों को हम कम करते जाते हैं, खुद को सिकुड़ते जाते हैं। मन के भीतर भले गहरे अंधेरे में डूब रहे होते हैं, पर ऊपर से बनावटी खुशी को ओढ़ लेते हैं।

अपनी मूलभूत जरूरतों के लिए, अधिकारों के लिए हमें हमेशा बिना डरे कदम उठाना चाहिए। जब हम साहसी होकर उन चीजों को जगह देने लगते हैं जो वास्तव में हमारे लिए आवश्यक हैं, तब पाते हैं कि कई सारी गैरजरूरी चीजें हमारे जीवन से अपने आप ही समाप्त होने लगती हैं जो हमने अपने भय, झिझक के चलते संग्रहीत कर रखी थीं।

जब हम अपने आप में सहज हो जाते हैं, खुद को और अपनी जरूरतों को समझने लगते हैं, तब हम सही अर्थों में उम्मीदों और खुशियों से भरा उन्मुक्त जीवन जीने लगते हैं। अपने सही अधिकारों के लिए आवाज उठाना हर परिस्थिति में एक सकारात्मक कदम कहा जा सकता है जो हमारे जीवन को ही नहीं, समाज को भी सही दिशा की ओर आगे बढ़ाने में सक्षम है।

On Teachers' Day, Madhya Pradesh to Honour Outstanding Educators, Best to be Chosen from Nearly Four Lakh Teachers at State, District, and Block Levels

Bhopal. On the occasion of Teachers' Day, the state of Madhya Pradesh will honour educators who have made remarkable contributions to the field of education. This year, the School Education Department has taken a special initiative by categorising awards at the state, district, and block levels so that teachers who have shown dedication, hard work, and commitment in improving the quality of education can be duly recognised. Out of nearly four lakh teachers in the state, only ten will be honoured with the prestigious State-Level Awards. These educators will be selected based on their contributions in the classroom, innovative teaching methods, shaping the future of students, and active involvement in social causes. The state awardees will be regarded as role models and a source of inspiration for the entire teaching fraternity of Madhya Pradesh. At the district level, a special selection committee has been formed comprising eminent educationists and administrative officials. The committee will ensure complete transparency in the selection process to identify teachers who have demonstrated excellence in their profession. Similarly, at the block level, arrangements have also been made to encourage and acknowledge teachers for their efforts.

The Teacher's Day felicitation programme is not only an occasion to reward outstanding teachers but also serves as an opportunity to showcase ideal educators as role models for society and students. The government believes that when teachers are recognised and celebrated for their efforts at a public platform, it motivates them to work with even greater enthusiasm toward improving the quality of education. This initiative by the Education Department not only acknowledges the dedication and hard work of teachers but also highlights their vital role in shaping the future generations. This year's Teachers' Day in Madhya Pradesh will truly belong to those educators who, with their commitment and sincerity, continue to illuminate the path of knowledge and inspire thousands of young minds.

IT-JEE Admissions 2025: Final Seat Allotment Exceeds Sanctioned Capacity Across Multiple IITs

In the final round of admissions for the Indian Institutes of Technology (IITs), the number of seats allotted to students has gone beyond the sanctioned intake in several premier institutes. This trend has been highlighted in the latest report released by the Joint Implementation Committee (JIC), raising eyebrows about the seat allocation mechanism. As per the official data, the sanctioned intake across the 23 IITs for 2025 was fixed at 18,160. However, the final allotments went up to 18,188, thereby exceeding the approved capacity by 28 seats. This excess allocation is not confined to a single IIT but has been observed across multiple campuses. At IIT Bombay, a total of 1,364 students have been allotted seats against its sanctioned capacity of 1,360. IIT Delhi has admitted 1,241 students compared to its approved strength of 1,239. Similarly, IIT Kharagpur allotted 1,923 seats against the sanctioned 1,919, while IIT Hyderabad admitted 631 students against its capacity of 630. IIT (ISM) Dhanbad also exceeded its limit by admitting 1,213 students instead of 1,210, and IIT Madras allotted 1,124 seats as compared to the approved 1,121. IIT Kanpur followed the same pattern, with 1,215 students being admitted against the capacity of 1,210. The overshooting of seats, although numerically small, reflects anomalies in the allotment system, where seat distribution extends marginally beyond the sanctioned numbers. Experts believe this could be due to adjustments in the final round of admissions, where the system ensures that no seat goes unutilized, especially after multiple rounds of withdrawal and acceptance. For students, this comes as an unexpected but welcome development, as more candidates have secured seats in prestigious IITs despite the strict intake limitations. However, administrative circles are likely to revisit the mechanism to maintain parity between sanctioned capacity and final admissions in future academic sessions.

SBI PO Prelims Result Expected To Be Released In September

The State Bank of India (SBI) is expected to release the Probationary Officer (PO) Preliminary 2025 result in the month of September. Once released, candidates will be able to check and download the result on the official website of the bank- sbi.co.in. The SBI PO preliminary examination was conducted on August 4, 2025 to fill a total of 600 vacancies.

Number of Vacancies Available

Of the 600 vacancies, 500 are for regular candidates and 41 are regular backlog vacancies. For Scheduled Caste (SC), 75 (Regular) and 5 (Backlog) are reserved. 37 (Regular) + 36 (Backlog) for Scheduled Caste (SC), 135 for Other Backward Classes (OBC), 50 for Economically Weaker Section (EWS) and 203 for Unreserved Category (UR).

Selection Process

The SBI recruitment consists of a preliminary examination followed by a main examination and phase 3. The preliminary examination is held for a duration of 1 hour with 100 questions asked, each carrying a weightage of 1 mark. Questions are asked from three subjects, namely - English Language, Quantitative Aptitude and Reasoning Ability.

The main examination consists of Reasoning & Computer Aptitude, Data Analysis & Interpretation, General Awareness / Economy/ Banking Knowledge and English Language and is held for a duration of 3 hours for 200 marks and 170 questions. The main examination is followed by a Descriptive paper which tests the communication skills of students through Emails, Reports, Situation Analysis & Precis Writing. It is held for a duration of 30 minutes for 50 marks. Main exam and descriptive paper are part of the Phase-II of the recruitment process. The Phase-III comprises of a Psychometric test for personality profiling followed by a Group exercise (20 marks) and Interview (30 marks).

Lower birth rates behind decline in government school enrolments: Official

India's school education system is showing strong signs of progress, as per the latest UDISE+ 2024–25 report released by the Ministry of Education. From improved teacher strength to better gross enrolment ratios, lower dropout rates, and stronger infrastructure, the data reflects steady improvements that are reshaping how children across the country experience schooling. However, there has been a steady drop in government school enrolments over three years, because "fertility rates have dropped in India" as per a government official.

Here are the major highlights from the UDISE+ 2024–25 report:

INCREASED NUMBER OF TEACHERS PER CHILD

For the first time in any academic year, since the beginning of UDISE +, the total number of teachers has crossed the 1 crore mark in 2024–25. The increase in teacher numbers is a critical step toward improving student-teacher ratios, ensuring quality education, and addressing regional disparities in teacher availability. The numbers are steadily increasing since 2022-23 and the reporting year. There is a rise of 6.7% number of teachers during the reporting year as compared to 2022-23.

DECREASE IN ENROLMENT IN GOVT SCHOOLS

Government school enrolment has been steadily dropping for several years. This year, with 24.69% enrolments, there has been a slight drop in enrolments as compared to 25.17% in 2023-24. "The NHFS (national health family survey 2024) shows that fertility rates have dropped in India.

Indian History Congress Accuses NCERT of Distorting Partition Narrative, Calls Modules Communal and Misleading

The ongoing debate over the portrayal of India's Partition in school textbooks has intensified after the Indian History Congress (IHC) strongly criticised the new modules released by the National Council of Educational Research and Training (NCERT). In a strongly worded resolution dated August 25, the IHC described the modules prepared for 'Partition Horrors Remembrance Day' as a deliberate attempt to inject "falsehoods with a clear communal intent" into the minds of young students. According to the historians' body, the distorted and polarising narrative presented in these publications could have long-lasting effects on school-going children, as they are being exposed to a one-sided and selective version of history. The modules, launched earlier this month, were prepared in two separate formats — one for the middle school stage (Classes 6 to 8) and another for the secondary stage (Classes 9 to 12). They were introduced as part of the government's commemoration of Partition Horrors Remembrance Day, which is marked annually. However, the IHC claims that the content not only holds the Muslim League but also the Indian National Congress responsible for the division of the country. In doing so, it argues, the modules absolve British colonial rulers of any accountability, even though their long-standing "divide and rule" strategy was at the root of Partition.

The resolution further stressed that history was being turned "completely upside down." It recalled that the Partition of 1947 was not an overnight event but the culmination of decades of British policies that deliberately fostered communal divisions. The IHC pointed out that since the revolt of 1857, which saw Hindus and Muslims fighting together against colonial power, the British intensified efforts to weaken national unity by encouraging religious and political divides. According to historians, this policy eventually paved the way for the tragedy of Partition, which displaced millions and led to mass killings across both sides of the border.

Criticism was also levelled at the selective representation of violence in the NCERT modules. The IHC observed that all the descriptions presented in the material focus exclusively on the killings and humiliation of Hindus and Sikhs, while making no mention of retaliatory horrors suffered by Muslims during the same period. By ignoring this reality, the historians argue, the modules present a dangerously incomplete and communalised picture of one of the most painful episodes in India's history. The resolution by the Indian History Congress makes it clear that such distortions could damage the way younger generations understand their past. It warned that instead of encouraging harmony and reconciliation, the new modules risk deepening divisions by planting biased and selective historical narratives in the education system. As the controversy unfolds, the debate over how Partition is remembered and taught in India's classrooms is expected to intensify further, with historians, educators, and policymakers likely to clash over the balance between memory, history, and political agendas.

US Government Tightens Visa Rules for International Students, Researchers, and Journalists

The United States has announced sweeping changes to its visa policy that are expected to make it more difficult for international students, exchange visitors, and foreign journalists to enter and remain in the country. Backed by new policy guidance issued by the US Citizenship and Immigration Services (USCIS) and a proposed regulation first introduced under the Trump administration, the tightened rules bring stricter scrutiny of applicants' personal, political, and immigration backgrounds. The move has sparked widespread concern within academic and professional circles, as it could affect hundreds of thousands of individuals who rely on student and cultural visas to study, work, or participate in exchange programmes in the US. Under the revised guidelines, USCIS officers have been instructed to examine applicants' conduct, immigration history, family ties, and ideological leanings more closely before approving or renewing visas. The policy specifically states that any association with, endorsement of, or support for anti-American or antisemitic ideologies, or ties to terrorist organisations, may result in outright denial or revocation of a visa. This represents a significant shift toward a discretionary system, where officers are now required to balance both positive and negative factors when considering applications. A key component of the new visa framework is the proposal to impose fixed durations on categories of non-immigrant visas that previously allowed more flexibility. International students on F visas and cultural exchange visitors on J visas, who were traditionally allowed to stay for the full duration of their academic or cultural programme, may now be restricted to a maximum of four years. Similarly, foreign journalists on I visas would face stricter timelines — capped at 240 days in general, and just 90 days for those holding Chinese or Hong Kong passports. Anyone wishing to remain beyond these periods would be required to apply for extensions, introducing new bureaucratic hurdles for students, researchers, professionals, and media workers alike.

These changes come at a time when the United States continues to host one of the world's largest populations of international students and cultural exchange participants. In 2024 alone, approximately 1.6 million international students studied in the US under F visas, while 3,55,000 exchange visitors were present on J visas, and around 13,000 foreign journalists worked under I visas. The proposed restrictions would therefore impact a significant share of the international academic and professional community, forcing many to reconsider long-term plans for study, research, and work in America. The Trump administration, which first floated the idea of fixed visa terms, has defended the proposal by arguing that limited durations are necessary to monitor visa holders more effectively and prevent overstays. Critics, however, warn that these rules could deter talented students, researchers, and professionals from choosing the US as their preferred destination, at a time when global competition for talent is intensifying. With the new framework now moving forward, international applicants will likely face more uncertainty and stricter oversight when applying for or renewing visas in the United States.

SSC Conducts Re-exam For 59,500 Students Affected By Technical Glitches

The Staff Selection Commission (SSC) is conducting the re-examination of Selection Post Phase 13 today in three shifts for around 59,500 candidates who faced technical glitches during the earlier test held between July 24 and August 2. The Commission had released the exam city slip on August 22, followed by the admit cards on August 26. The decision came after large-scale protests by aspirants and coaching teachers at Delhi's Ramlila Maidan earlier this month. More than a thousand candidates gathered demanding fair conduct of exams, leading to the Commission's announcement of a special re-exam. SSC Chairman S Gopalakrishnan had stated that a detailed log analysis was conducted to identify the affected candidates, and three special exam shifts were scheduled for them. "In order to ensure fairness, approximately 59,000 candidates have been identified for the re-exam scheduled on August 29," the Chairman had said earlier. He also clarified that the Combined Graduate Level (CGL) Examination 2025, originally slated for August 13, was postponed to mid-September to address technical issues.

The SSC has also revamped its examination system with Aadhaar-based authentication, a new normalisation method, and stricter monitoring of private centres. Agencies conducting exams and providing content have been brought under stringent service-level agreements, with heavy penalties for lapses. Until June 2025, Tata Consultancy Services (TCS) was the exam conducting agency (ECA) for SSC. From July 2025, Eduquity Career Technologies took over through an open tender. Following a Supreme Court directive, the task of setting questions has now been separated from the ECA and assigned to independent content providers.

Education Ministry Reconstitutes Joint Entrance Exam Apex Board For 2026-27

The Department of Higher Education has issued a notification for the reconstitution of the Joint Entrance Examination (JEE) Apex Board (JAB) for the years 2026 and 2027. The move follows the completion of the tenure of the previously constituted board and aims to ensure the smooth conduct of JEE (Main) and JEE (Advanced) for admissions to IITs, NITs, and other centrally funded technical institutions. The newly reconstituted JAB will be chaired by Professor S K Jain, former Vice-Chancellor of Banaras Hindu University, who has been appointed as the honorary chairperson. Directors of IIT Madras, IIT Kanpur, IIT Roorkee, NIT Rourkela, IIEST Shibpur, IIIT Hyderabad, IIIT (PPP) Una, and IIITDM Kancheepuram will serve as members.

Representatives from the state governments of Andhra Pradesh, Rajasthan, Odisha, and Uttar Pradesh, along with nominees from Vellore Institute of Technology (VIT), CBSE, NIC, C-DAC, and the Ministry of Education, are also part of the board. The Director General of the National Testing Agency (NTA) will serve as the member secretary. According to the notification, JAB will be the final authority on policies, rules, and regulations governing JEE (Main), while also coordinating with the organising institute for JEE (Advanced).

परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं इन चीजों का भोग, घर आएगी सुख-समृद्धि

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस साल परिवर्तिनी एकादशी 3 सितंबर को पड़ रही है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि परिवर्तिनी एकादशी के दिन पूजा के बाद भगवान विष्णु को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए।

घी का संबंध बृहस्पति और सूर्य ग्रह से है। ऐसे में भगवान विष्णु को परिवर्तिनी एकादशी के दिन घी का भोग लगाने से दोनों ग्रह मजबूत होते हैं। वहीं, घी में शक्कर मिलाकर भोग लगाने से पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहती है।

परिवर्तिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को लगाएं दही का भोग

भाद्रपद माह में दही खाना शुभ माना जाता है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को दही या दही से बनी चीजों का भोग लगाने से घर में शुभता का आगमन होता है और घर में शांति एवं सकारात्मकता बनी रहती है।

भगवान विष्णु को लगाएं नारियल का भोग

नारियल को धन-वैभव एवं संतान का प्रतीक माना जाता है परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को नारियल या उससे बने किसी भी खाद्य पदार्थ का भोग लगाने से घर धन-धान्य से भरा रहता है और संतान की उन्नति होती है।

भगवान विष्णु को लगाएं पंचमेवा का भोग

साल की सभी 24 एकादशियों पर भगवान विष्णु को पंचमेवा का भोग अवश्य लगाना चाहिए। ठीक ऐसे ही परिवर्तिनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु को पंचमेवा का भोग लगाना चाहिए। इससे घर में घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कब है राधा अष्टमी? सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में किसी भी अन्य पर्व की ही तरह राधा रानी का जन्मोत्सव भी बड़े ही धूम-धाम से मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि राधा के बिना श्याम अधूरा है और इसी वजह से जन्माष्टमी के कुछ ही दिनों के बाद राधा रानी का जन्म हुआ था। दोनों का प्रेम इतना अटूट है कि उन्हें आज भी याद किया जाता है और उनका उदाहरण दिया जाता है। जहां एक तरफ कृष्ण जी का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को होता है वहीं राधा रानी का जन्म भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को राधा रानी के प्राकट्य दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि जो लोग इस दिन व्रत-उपवास करते हैं और राधा जी की पूजा अर्चना करते हैं उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही नहीं राधा अष्टमी पर राधा जी की पूजा शुभ मुहूर्त में करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। आइए ज्योतिर्विद से जानें इस साल कब मनाई जाएगी राधा अष्टमी और किस शुभ मुहूर्त में राधा रानी का पूजन करना फलदायी होगा। साथ ही, आप इस शुभ तिथि का महत्व ।

कब मनाई जाएगी राधा अष्टमी

हर साल राधा अष्टमी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल यह तिथि 31 अगस्त, रविवार को पड़ेगी। इस दिन भक्तजन मंदिर और घर में राधा रानी का पूजन श्रद्धा भाव से कर सकते हैं। यही नहीं राधा जी का जन्मोत्सव भी कृष्ण जन्मोत्सव की ही भांति मंदिरों में भी बड़े श्रद्धा से मनाया जाता है और भजन-कीर्तन आदि होते हैं।

राधा अष्टमी का शुभ मुहूर्त

इस साल भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि- 30 अगस्त, शनिवार, रात्रि 10.46 बजे से लग रही है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का समापन- 31 अगस्त,रविवार, रात्रि 12.57 बजे।

उदया तिथि की मानें तो राधा अष्टमी इस साल 31 अगस्त, रविवार को मनाई जाएगी।

राधाष्टमी का पर्व राधा रानी के पूजन के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

यदि आप 31 अगस्त को प्रात: 10.42 बजे से दोपहर 1.14 बजे तक पूजन करें तो सबसे ज्यादा शुभ होगा।

राधा अष्टमी का महत्व क्या है?

राधा अष्टमी का पर्व उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है जितना कि श्री कृष्ण का जन्मदिन जन्माष्टमी। ऐसी मान्यता है कि यदि आप राधा अष्टमी के दिन राधा रानी का पूजन श्रद्धा से करती हैं तो आपको श्री कृष्ण की भी पूर्ण कृपा प्राप्त होती है।

राधा अष्टमी के दिन वृषभानु जी और कीर्ति के घर पर माता राधा का जन्म हुआ था। पौराणिक कथाओं की मानें तो एक कथा यह कहती है कि राधा रानी माया से अपनी मां कीर्ति जी के गर्भ में आईं और राधा अष्टमी के दिन उनका प्राकट्य हुआ। उसी दिन से हर साल यह पर्व मनाया जाता है और इस दिन राधा जी की पूजा श्री कृष्ण जी के साथ की जाती है। इस विशेष दिन में राधा जी का पूजन करने से समस्त पापों से मुक्ति मिलने के साथ मनोकामनाओं की पूर्ति भी हो सकती है।

इस श्राप के कारण हुए गणेश जी के दो विवाह

रिद्धि और सिद्धि को भगवान गणेश की पत्नियों के रूप में जाना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गणेश जी के दो विवाह एक श्राप की वजह से हुए थे? यह कथा न केवल रोचक है बल्कि कई पौराणिक ग्रंथों में इसका उल्लेख भी मिलता है।

गणेश जी और तुलसी जी का श्राप

पद्मपुराण और गणेश पुराण के अनुसार एक बार तुलसी जी ने गणेश जी को विवाह का प्रस्ताव दिया। लेकिन गणेश जी ने यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। इस पर तुलसी माता क्रोधित हो गईं और उन्होंने गणेश जी को श्राप दे दिया कि उनके दो विवाह होंगे। इसके बदले में गणेश जी ने भी तुलसी माता को श्राप दिया कि उनका विवाह एक राक्षस से होगा। इसी श्राप के चलते गणेश जी का विवाह रिद्धि और सिद्धि नामक दो बहनों से हुआ।

क्यों नहीं हो रहा था गणेश जी का विवाह?

गणेश पुराण के छठे अध्याय में उल्लेख है कि गणेश जी के लम्बोदर स्वरूप के कारण उनका विवाह नहीं हो पा रहा था। इस वजह से वे अन्य देवी-देवताओं के विवाह में विघ्न डालने लगे। सभी देवता इस समस्या से परेशान हो गए और उन्होंने ब्रह्मा जी से समाधान मांगा।

ब्रह्मा जी ने गणेश जी के सामने रखा विवाह का प्रस्ताव ब्रह्मा जी ने अपनी पुत्रियों रिद्धि और सिद्धि को शिक्षा ग्रहण करने के लिए गणेश जी के पास भेजा। जब भी गणेश जी अन्य देवताओं के विवाह में विघ्न डालने जाते, रिद्धि-सिद्धि उन्हें अपने ज्ञान और गुणों से रोक लेतीं। धीरे-धीरे सभी देवताओं के विवाह बिना किसी बाधा के सम्पन्न होने लगे। जब गणेश जी को इस बात का पता चला तो वे नाराज हुए। उसी समय ब्रह्मा जी प्रकट हुए और उन्होंने गणेश जी को अपनी दोनों पुत्रियों से विवाह करने का प्रस्ताव दिया। इस प्रकार गणेश जी का विवाह रिद्धि और सिद्धि से सम्पन्न हुआ।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन जरूर करें इन चीजों का दान, मां लक्ष्मी होती हैं प्रसन्न!

परिवर्तिनी एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है. यह व्रत भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है. परिवर्तिनी एकादशी को जलझूलनी एकादशी भी कहते हैं. इस एकादशी को बहुत ही पवित्र माना जाता है.

परिवर्तिनी एकादशी पर करें इन चीजों का दान

अन्न का दान - परिवर्तिनी एकादशी पर चावल, गेहूं, दालें आदि अन्न का दान करना बहुत शुभ माना जाता है. मान्यता है कि ऐसा करने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती है.

जल का दान - जल और अन्न के दान को सबसे बड़ा दान माना जाता है. मान्यता के अनुसार, जल दान करने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है. इसलिए एकादशी पर जल का दान अच्छा माना जाता है.

वस्त्रों का दान - परिवर्तिनी एकादशी पर कपड़ों का दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है. इस दिन पीले वस्त्र और कंबल आदि का भी दान करना चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं.

धन का दान - परिवर्तिनी एकादशी पर अपनी क्षमता के अनुसार किसी जरूरतमंद को धन का दान भी जरूर करना चाहिए.

फलों का दान - परिवर्तिनी एकादशी पर फलों जैसे केला, सेब, संतरा आदि का दान करना चाहिए. इस दिन फलों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है.

मिठाई का दान - परिवर्तिनी एकादशी पर मिठाई जैसे मोतीचूर लड्डू, पेड़ा आदि का भी दान करना बहुत अच्छा माना जाता है. इसलिए इस दिन मिठाई का भी दान करना चाहिए.

तुलसी के पौधे का दान - परिवर्तिनी एकादशी पर तुलसी का पौधा दान करना बहुत शुभ माना जाता है.

किताबों का दान - परिवर्तिनी एकादशी के दिन धार्मिक ग्रंथों या किताबों का दान करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. इस दिन अगर संभव हो तो धार्मिक किताबों का दान जरूर करें. मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है.

बहुत ही सरल है परिवर्तिनी एकादशी की पूजा विधि, व्रत करने से पापों से मिलेगी मुक्ति

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को परिवर्तिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार इस वर्ष 3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी व्रत किया जाएगा। अगर आप जीवन के पापों से मुक्ति पाना चाहते हैं तो परिवर्तिनी एकादशी व्रत जरूर करें। इस व्रत को करने से सभी पाप दूर होते हैं और श्री हरि प्रसन्न होते हैं।

सनातन शास्त्रों में परिवर्तिनी एकादशी के महत्व का विशेष उल्लेख किया गया है। इस खास अवसर पर भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की उपासना की जाती है। साथ ही जीवन के पापों से छुटकारा पाने के लिए व्रत भी किया जाता है। मान्यता है कि परिवर्तिनी एकादशी के दिन विधिपूर्वक श्रीहरि की पूजा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। चलिए इस लेख में जानते हैं कि परिवर्तिनी एकादशी पर किस तरह प्रभु की उपासना करना जातक के लिए फलदायी साबित होगा।

ऐसे करें भगवान विष्णु की पूजा

- परिवर्तिनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठें और दिन की शुरुआत विष्णु जी के ध्यान से करें।
- इसके बाद स्नान कर पीले वस्त्र धारण करें।
- मंदिर की सफाई करें।
- सच्चे मन से व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें।
- अब फूलमाला अर्पित करें।
- घी का दीपक जलाएं और विधिपूर्वक आरती करें। प्रभु के मंत्रो का जप भी करना चाहिए।
- विष्णु चालीसा और व्रत कथा का पाठ करें।
- प्रभु को पंचामृत और फल समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।
- व्रत का पारण द्वादशी तिथि में करें।

इन मंत्रों का करें जप

1. ऊँ श्री त्रिपुराय विद्महे तुलसी पत्राय धीमहि तन्नो- तुलसी प्रचोदयात।
2. तुलसीदेव्यै च विद्महे, विष्णुप्रियायै च धीमहि, तन्नो वृन्दा प्रचोदयात् ।।
3. तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी। धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन- प्रिया ।। लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत। तुलसी भूर्महालक्ष्मी- पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया ।।

बिना शादी के 3 बच्चे....

अब 44 की उम्र में चौथी बार फिर मां बनने जा रहीं है यह स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस की मशहूर पूर्व टेनिस स्टार अन्ना कुर्निकोवा एक बार फिर लाइमलाइट में हैं. 44 साल की उम्र में उन्होंने चौथी प्रेग्नेंसी की खबर देकर अपने फैन्स को हैरान कर दिया है. वह और उनके लंबे समय से पार्टनर, मशहूर स्पैनिश सिंगर एनरिके इग्लेसियस (50), अपने चौथे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं. कुछ महीने पहले अन्ना को व्हीलचेयर और प्रोटेक्टिव बूट में देखा गया था. उस दौरान उनकी तबीयत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं, लेकिन अब उनके प्रेग्नेंट होने की पुष्टि के बाद फैन्स को राहत मिली है. स्पैनिश मैगजीन ने दावा किया है कि कुर्निकोवा इस वक्त प्रेग्नेंसी के मिड-फेज में हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं. अन्ना और एनरिके के पहले से ही तीन बच्चे हैं, दो जुड़वां बच्चे लूसी और निकोलस, जो 7 साल के हो गए हैं और छोटी बेटी मैरी, जो 5 साल की है. हाल ही में मियामी में उन्हें बच्चों को मार्शल आर्ट्स क्लास के लिए ले जाते हुए देखा गया था, जिससे यह साफ हुआ कि वह एक सेहतमंद और एक्टिव लाइफ जी रही हैं. अन्ना सिर्फ 14 साल की थी, जब उन्होंने इतनी कम उम्र में प्रोफेशनल टेनिस में कदम रखा था. भले ही सिंगल्स में वह ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी नहीं जीत पाईं थी, लेकिन मार्टिना हिंगिस के साथ जोड़ी बनाकर उन्होंने 1999 और 2002 में ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स खिताब अपने नाम किया था.

जर्मनी के वेबर पहले स्थान पर रहे

नीरज ने डायमंड लीग फाइनल में लगातार तीसरा सिल्वर जीता, 85.01 मीटर का थ्रो किया

ज्यूरिख, एजेंसी। नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल 2025 में दूसरा स्थान हासिल किया। चोपड़ा का डायमंड लीग में लगातार तीसरा सिल्वर मेडल है। उन्होंने 85.01 मीटर का थ्रो किया। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर के लेट्जिग्रुंड स्टेडियम में गुरुवार को हुए फाइनल में जर्मनी के जूलियन वेबर ने शानदार 91.51 मीटर का थ्रो कर गोल्ड जीता। वहीं, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने 84.95 मीटर के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया। नीरज ने पहले प्रयास में 84.35 मीटर थ्रो किया। इसके बाद दूसरा थ्रो 82 मीटर रहा। इसके बाद उन्होंने लगातार तीन बार फाउल किया। आखिर में नीरज ने 85.01 मीटर का थ्रो किया और दूसरे नंबर पर रहे। इससे पहले नीरज तीन साल पहले, यानी 2022 में इसी स्टेडियम में डायमंड लीग के फाइनल में पहले स्थान पर रहे थे। वहीं, 2023 और 2024 में उन्हें उपविजेता बनकर ही संतोष करना पड़ा था। मौजूदा सीजन में उन्होंने 7 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिनमें 4 बार जीत दर्ज की और तीन बार उपविजेता रहे हैं। मैच के बाद नीरज ने कहा- आज का दिन थो?ा मुश्किल था मैच के बाद नीरज ने अपने प्रदर्शन पर कहा, आज का दिन थोड़ा मुश्किल था। खेल में हमेशा कुछ कठिन दिन आते हैं, और आज ऐसा ही था। फिर भी, मैंने आखिरी थ्रो में 85 मीटर से ज्यादा की दूरी हासिल की। आज मेरा रन-अप और टाइमिंग सही नहीं थी। मुझे कुछ कमी महसूस हुई, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के लिए अभी तीन हफ्ते बाकी हैं। मैं अपनी टाइमिंग को बेहतर करने की पूरी कोशिश करूंगा। डायमंड लीग 2025 में नीरज का प्रदर्शन दोहा डायमंड लीग- इस सीजन की बात करें तो नीरज के लिए शुरुआत धमाकेदार अंदाज में हुई थी। मई में उन्होंने दोहा में 90.23 मीटर का थ्रो कर पहली बार 90 मीटर से ज्यादा दूरी का थ्रो किया था। उन्होंने पहले प्रयास में 88.44 मीटर स्कोर किया, जबकि दूसरा थ्रो अमान्य रहा।

4 सितंबर को हो सकता है आखिरी घरेलू मैच

लियोनेल मेसी का संन्यास!

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के सबसे बड़े स्टार में से एक लियोनल मेसी ने एक बड़ा इशारा दे दिया है कि अर्जेंटीना के साथ उनका सफर आखिर दौर में पहुंच रहा है. 38 साल के मेसी ने बात करते हुए कहा कि 4 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाला वर्ल्ड कप क्वालिफायर शायद उनका आखिरी घरेलू मैच हो सकता है. अर्जेंटीना पहले ही 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुका है और 35 अंकों के साथ साउथ अमेरिकन टेबल में टॉप पर है. लेकिन मेसी के लिए ब्यूनर्स आयर्स के एस्टादियो मोन्यूमेंटल में होने वाला यह मैच सिर्फ एक कंपटीशन भर नहीं है, बल्कि यह उनके लिए बड़ा इमोशनल मोमेंट होगा.

मेसी 9 सितंबर को इक्वाडोर के खिलाफ होने वाले अगले क्वालिफायर मैच में भी खेलने की उम्मीद है, लेकिन वह मैच बाहर (अवे) होगा. ऐसे में 4 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में होने वाला मुकाबला शायद आखिरी मौका होगा जब स्थानीय फैन्स उन्हें वर्ल्ड कप क्वालिफायर में खेलते देख पाएंगे. अगर यह सचमुच उनका आखिरी मैच होता है, तो यह अर्जेंटीना के फुटबॉल इतिहास का एक अहम अध्याय बंद कर देगा. हालांकि मेसी ने अभी तक इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लेने की कोई

कैसा है मेसी का वर्ल्ड कप क्वालिफायर में रिकॉर्ड

मेसी का वर्ल्ड कप क्वालिफायर में 193 मैच खेले हैं और रिकॉर्ड 31 गोल किए हैं. इसी दौरान उन्होंने अर्जेंटीना के लिए कई यादगार प्रदर्शन भी किए. 2022 में कतर वर्ल्ड कप जीतना उनके इंटरनेशनल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के महान खिलाड़ियों में हमेशा के लिए जगह दिला दी.

मेसी ने अपने फेयरवेल मैच के बारे में क्या कहा?

मेसी ने इंटर मियामी की लीग्स कप सेमीफाइनल में ऑरलैंडो सिटी को हराने के बाद कहा- यह मेरे लिए खास होने वाला है, बहुत ही खास मैच होगा, क्योंकि यह मेरा आखिरी क्वालिफायर गेम है. मुझे नहीं पता इसके बाद कोई फ्रेंडली या और मैच होंगे या नहीं.... पर हां, यह मैच मेरे लिए बहुत खास है और इसी वजह से मेरा पूरा परिवार मेरे साथ होगा. मेरी पत्नी, मेरे बच्चे, मेरे माता-पिता, मेरे भाई-बहन और मेरी पत्नी की तरफ से जितने रिश्तेदार हो सकें. इसके बाद क्या होगा, यह मैं नहीं जानता, लेकिन अभी हमारा ध्यान इसी पर है.

एशिया कप से पहले बीसीसीआई का फैसला

टीम इंडिया के साथ यूएई नहीं जाएंगे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. एशिया कप इस बार 9 सितंबर को शुरू होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहे इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है. 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है. भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप के लिए यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल को स्टैंड बाय खिलाड़ियों के तौर पर रखा है. पहले अटकलें लग रही थीं कि ये पांचों खिलाड़ी भारतीय टीम के साथ यूएई जा सकते हैं, लेकिन अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने साफ कर दिया है कि स्टैंड बाय के तौर चुने गए खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में ये बात निकलकर सामने आई है.

जब बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछा गया कि क्या ये खिलाड़ी नेट बॉलर या बैकअप के तौर पर टीम के साथ जाएंगे, तो उन्होंने पीटीआई से कहा, नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई की यात्रा नहीं करेंगे. बता दें कि भारतीय टीम मैनेजमेंट कम खिलाड़ियों के साथ यात्रा करना चाहती है. अगर जरूरत पड़ी तो स्टैंडबाय खिलाड़ियों को बाद में दुबई बुलाया जाएगा. भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे ओपनर मौजूद हैं. इसलिए यशस्वी जायसवाल तभी मुख्य स्क्वॉड में शामिल होंगे, जब कोई सलामी बल्लेबाज चोटिल होगा. इसी तरह जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से कोई बाहर होता है, तो ही तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा. एशिया कप के भारतीय टीम 17 खिलाड़ियों की हो सकती थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने मुख्य स्क्वॉड में सिर्फ 15 खिलाड़ियों को ही चुना. भारतीय खिलाड़ी इस बार अपने-अपने शहरों से सीधे दुबई जाएंगे.

राजीव शुक्ला बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बने, रोजर बिन्नी ने पद छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले, 65 साल के शुक्ला बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट थे। हाल ही में बीसीसीआई सूत्रों ने बताया था, मौजूदा प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी जुलाई महीने में 70 साल के हो जाएंगे। बीसीसीआई के नियम के अनुसार, किसी भी पदाधिकारी को 70 साल की उम्र के बाद अपना पद छोड़ना होगा। बिन्नी ने 2022 में सौरव गांगुली की जगह बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला था।

करण टैकर ने यशराज स्टूडियो में शाहरुख खान से अपनी पहली मुलाकात को याद किया

टीवी के हार्टथ्रॉब से लेकर OTT और फिल्मों तक, करण टैकर ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। लेकिन उनके करियर की शुरुआत हुई थी यशराज फिल्म्स की रब ने बना दी जोड़ी से – वही फिल्म जिसमें सुपरस्टार शाहरुख़ ख़ान लीड में थे।

करण हमेशा शाहरुख़ को अपना हीरो बताते आए हैं। हालाँकि फिल्म में उनका सीधा स्क्रीन-टाइम शाहरुख़ के साथ नहीं था, लेकिन सालों बाद जब उन्होंने एक अवॉर्ड शो होस्ट किया तो स्टेज शेयर करने का मौका मिला। वही क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। करण बताते हैं कि वही उनका शाहरुख़ से पहली बार आमना-सामना था। करण कहते हैं,यशराज स्टूडियो में अवॉर्ड्स हो रहे थे और मेरा मेकअप रूम शाहरुख़ सर के सामने था। उनका दरवाज़ा खुला था और मैं झाँक-झाँक कर देख रहा था – हीरो सामने हो तो कौन नहीं झाँकेगा! पहली बार बस एक हैलो हुआ और फिर सीधे स्टेज पर उनसे रूबरू हुआ। दिल धड़कना तो नैचुरल था, क्योंकि सामने वही थे जिन्हें मैं हमेशा से अपना हीरो मानता आया हूँ। कभी-कभी जब मैं वो वीडियो देखता हूँ तो सोचता हूँ यार, मैं तो पूरा फैनबॉय मोड में चला गया था। बस उन्हें देखता रह गया, बोलती बंद! पर यही तो उनकी खासियत है – कूल, चार्मिंग और इतना प्यारा कि इंसान बस उनको सुनता ही रह जाए। करण बताते हैं कि हाल की दिवाली पार्टी में उन्हें शाहरुख़ के साथ थोड़ा डांस करने का भी मौका मिला और वो उनके लिए ड्रीम मोमेंट था।

शहनाज गिल की

फिल्म इक्क कुड़ी का नया गाना गड़बड रिलीज

शहनाज गिल की फिल्म इक्क कुड़ी का गुरुवार को मेकर्स ने नया गाना गड़बड रिलीज कर दिया है। शहनाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने को शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, जिंदगी गड़बड़ न हो जाए! फिल्म का नया गाना गड़बड़ अब रिलीज हो गया है। अभी देखें! फिल्म इक्क कुड़ी सिनेमाघरों में 19 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी। गाने में जिंदगी की उथल-पुथल और भविष्य की परेशानी को फिल्माया गया है, जिसमें जिंदगी में होने वाली गड़बड़ के डर को दिखाया गया है। गाने को नूरन ने अपनी आवाज दी है। वहीं, म्यूजिक मिक्स सिंह का है और लिरिक्स विक्की संदू ने लिखे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जिसकी जानकारी शहनाज ने एक पोस्ट के जरिए दी थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर टीजर जारी कर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, ये जानकारी देते हुए बहुत उत्सुकता हो रही है कि फिल्म इक्क कुड़ी का टीजर जारी हो गया। उम्मीद है कि आपको पसंद आएगा। दुनिया चाहे जितनी भी बदल जाए, कुछ कहानियां कभी नहीं बदलतीं। इक्क कुड़ी का अब टीजर जारी हो चुका है। अमरजीत सोरन ने फिल्म का निर्देशन किया है और कहानी भी लिखी है। शहनाज गिल इस फिल्म से बतौर निर्माता डेब्यू भी कर रही हैं।

मलाइका अरोड़ा का ये पोज देखकर फैंस ने पूछा सवाल

इतनी खूबसूरती लेकर पलटना लीगल है क्या?

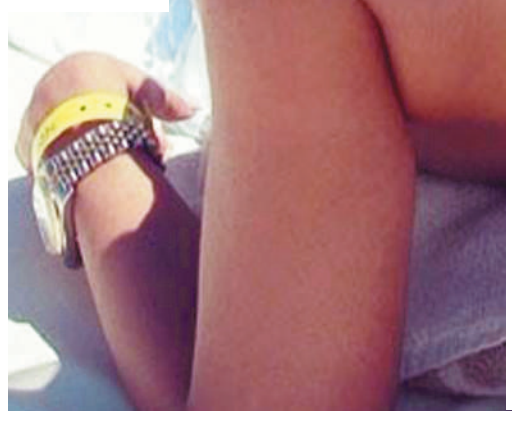

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस, फैशन सेंस और ट्रैवल डायरी को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। चाहे रेड कार्पेट वाला अवतार हो या कोई ट्रेंडी आउटफिट फैंस का ध्यान खींच ही लेता है। गुरुवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मेलबर्न की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से दो में उनके क्लोज अप शॉट हैं। वहीं एक फोटो में वह अपनी फ्रेंड्स के साथ इंजॉय करती दिख रही हैं। मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक कलर का ओवरकोट कैरी किया है। उन्होंने एक हैंडबैग ले रखा है और बाल खुले हुए हैं, जो उनके पूरे लुक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं। वह कैमरे की तरफ मुड़कर पलट वाला पोज देती दिख रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपने दोस्तों के साथ ठीक वैसा ही पोज देती नजर आ रही हैं, यानी सब एक साथ मुड़कर कैमरे की तरफ पलट रहे हैं। इन फोटोज के साथ मलाइका ने कैप्शन में सिर्फ लिखा, पलट। उनकी इन तस्वीरों पर फैंस बेहद मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, पलट... वरना प्यार हो जाएगा!

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन में आई खराबी, स्टेशनों पर लगी यात्रियों की भारी भीड़

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो के केंद्रीय सचिवालय से विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के बीच तकनीकी खराबी के चलते मेट्रो सेवाएं प्रभावित हुई हैं। स्कूल और ड्यूटी टाइम के दौरान आई खराबी के चलते येलो लाइन के कई स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ लग गई है। हौज खास इंटरचेंज स्टेशन पर सबसे ज्यादा भीड़ देखी जा रही है। येलो लाइन रूट मेट्रो में आई खराबी का असर ब्लू लाइन रूट पर भी पड़ने लगा है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा हुई। डीएमआरसी ने शुक्रवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट कर बताया, विश्वविद्यालय और सेंट्रल सेक्रेट्रिएट स्टेशनों के बीच ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जबकि नेटवर्क के अन्य सभी कॉरिडोर पर सामान्य नॉर्मल हैं। कई यात्रियों ने शिकायत की कि जीटीबी नगर से विश्वविद्यालय तक की दूरी जो आमतौर पर कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है, मेट्रो लाइन में आई खराबी के कारण लगभग 50 मिनट तक बढ़ गई है। कई लोगों ने कहा कि देरी के कारण उन्हें समय पर ऑफिस और स्कूलों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। डीएमआरसी ने कहा कि सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं और प्रभावित सेक्शन पर सुचारू संचालन बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव: तमिलनाडु में राधाकृष्णन को गिने-चुने वोट

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति चुनाव में अब दो सप्ताह भी नहीं बचे हैं। एनडीए और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार अपना-अपना समर्थन बढ़ाने में जुटे हैं। हालांकि, संसद के आंकड़ों में दोनों उम्मीदवारों को अपने गृह राज्यों में समर्थन के लाले पड़े हुए हैं। विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी का तो अपने गृह राज्य आंध्र प्रदेश में खाता खुलना तक मुश्किल है, जबकि एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को अपने गृह राज्य तमिलनाडु में गिने-चुने वोट ही मिल सकते हैं। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के आंकड़ों में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का चुनाव जीतना लगभग तय है। हालांकि, दोनों उम्मीदवार एनडीए व इंडिया गठबंधन के बाहर के दलों का समर्थन जुटाकर अपना-अपना आंकड़ा बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे रोचक आंकड़ा दोनों उम्मीदवारों के गृह राज्य के हैं। बी. सुदर्शन रेड्डी का गृह राज्य आंध्र प्रदेश है। यहां पर लोकसभा की 25 और राज्यसभा की 11 सीट हैं। लोकसभा में एनडीए के 11 व वाईएसआरसीपी के चार सांसद हैं। राज्यसभा में वाईएसआरसीपी के सात एवं एनडीए के चार सांसद हैं। वाईएसआरसीपी पहले ही एनडीए का समर्थन करने की घोषणा कर चुकी है। यानी यहां के सभी सांसदों के वोट राधाकृष्णन को मिलने की संभावना है। वहीं, सुदर्शन रेड्डी का खाता खुलने की स्थिति नहीं है। तमिलनाडु, जहां से सीपी राधाकृष्णन आते हैं, वहां इसके विपरीत स्थिति है। वहां पर लोकसभा के सभी 39 सांसद इंडिया गठबंधन के हैं। राज्यसभा में 18 सांसदों में अन्नाद्रमुक के चार एवं एक निर्दलीय को छोड़कर बाकी सभी इंडिया गठबंधन के साथ हैं। ऐसे में तमिलनाडु के अधिकतम पांच सासंदों का ही समर्थन राधाकृष्णन को मिल सकता है।

डीपीसीसी ने जारी किए निर्देश

यमुना में प्रतिमा विसर्जन करने पर लगेगा 50 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने एक बार फिर से प्रतिमा विसर्जन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें यमुना में मूर्ति विसर्जन करने पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है।

दिल्ली में गणेश उत्सव और दुर्गा पूजा के बाद यमुना में प्रतिमा विसर्जन की प्रवृत्ति रही है। लेकिन, इससे यमुना में होने वाले प्रदूषण को देखते हुए लगभग छह साल पहले रोक लगा दी गई थी। उत्सव का समय नजदीक आने के साथ ही एक बार फिर से इसे लेकर दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

डीपीसीसी ने कहा है कि प्रतिमाओं का निर्माण प्राकृतिक मिट्टी से ही किया जाना चाहिए। पीओपी सामग्री से प्रतिमाओं का निर्माण नहीं होना चाहिए। स्थानीय निकाय की ओर से कृत्रिम तालाब का निर्माण किया जाएगा, जहां प्रतिमा का विसर्जन किया जा सके। डीपीसीसी ने दिल्ली की सीमाओं पर भी निगाह रखने को कहा है ताकि प्रतिबंधित सामग्री वाली प्रतिमाओं को बाहर से लाया नहीं जा सके।

बता दें कि, दिल्ली की भाजपा सरकार ने हाल ही में अगले दो वर्षों के भीतर यमुना नदी का पुनरुद्धार करने के लिए एक व्यापक 45-सूत्रीय ऐक्शन प्लान शुरू किया है, जिसमें जल-मल उपचार और नदी में बहने वाले नालों को रोकने की चुनौतियों से निपटने के लिए कई एजेंसियों की भागीदारी होगी। सीएम रेखा गुप्ता द्वारा अनुमोदित इस योजना को मुख्य रूप से दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यमुना सफाई एवं पुनरुद्धार के लिए चल रही परियोजनाओं तथा नई योजनाओं एवं परियोजनाओं को 10 कार्य मद के अंतर्गत विशिष्ट समय-सीमाओं के साथ एक साथ रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी ऐक्शन प्लान को जून महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में मंजूरी दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना में मुख्य रूप से जलमल उपचार प्रबंधन, नालों को बंद करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, तूफानी जल प्रबंधन और यमुना नदी में प्रवाह बढ़ाना जैसे प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, यमुना नदी के कुल प्रदूषण में दिल्ली का योगदान 76 प्रतिशत है, जबकि इसकी लंबाई में दिल्ली का हिस्सा मात्र दो प्रतिशत है। तीन एसटीपी- कोरोनेशन पिलर, यमुना विहार और ओखला (मलजल शोधन संयंत्र) एसटीपी- से नदी में प्रवाह बढ़ाने के लिए डीजेबी को एक संवहन प्रणाली बनानी होगी। अधिकारियों ने बताया कि नदी में प्रवाह बनाए रखने के लिए उपचारित पानी को वापस नदी में डालना अनिवार्य है। इस काम की समयसीमा सितंबर 2026 है। उन्होंने दावा किया कि ओखला एसटीपी एशिया में इस तरह का सबसे बड़ा एसटीपी है।

बदरपुर टोल से सफर करना होगा महंगा, 1 सितंबर से बढ़ेंगे रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-फरीदाबाद रूट पर सफर अब महंगा होने जा रहा है। बदरपुर फ्लाईओवर टोल प्लाजा पर एक सितंबर से बढ़ा हुआ शुल्क देना होगा। कार और जीप के लिए 1 रुपये अतिरिक्त टोल टैक्स लगेगा। सिर्फ एक बार गुजरने वाली कार के लिए शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। कॉमर्शियल और भारी वाहनों के लिए दो-दो रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

बढ़े हुए टोल की नई दरें 31 अगस्त की रात 12 बजे से लागू हो जाएंगी। मासिक पास की दरें भी 16 रुपये से 48 रुपये तक बढ़ाई गई हैं। कार जीप के मासिक पास बनाने के लिए शुल्क बढ़ोतरी के कारण टोल प्लाजा पर मासिक पास बनाने का काम स्थगित कर दिया गया है। शनिवार से दोबारा मासिक पास बनाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में देशभर में फास्टैग वार्षिक पास सुविधा की शुरुआत की है। फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर लगभग 1,150 टोल संग्रह बूथ पर लागू है। इससे उपयोगकर्ता 3,000 रुपये के एकमुश्त भुगतान पर एक साल में 200 टोल प्लाजा पार कर सकते हैं। इस वार्षिक पास की शुरुआत 15 अगस्त को हुई थी। इस सुविधा को देशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के बीच जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए मान्य है। यह राजमार्गयात्रा ऐप या एनएचएआई वेबसाइट के जरिये एकमुश्त भुगतान के दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

दिल्ली में नवंबर के बाद भी दौड़ेंगी बीएस-4 गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में रजिस्टर्ड बीएस-4 कॉमर्शियल गाड़ियों पर एक नवंबर 2025 के बाद भी राजधानी में प्रवेश पर रोक नहीं लगेगी। इनकी आवाजाही निर्बाध हो सकेगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक में इसे स्पष्ट किया है।

दरअसल, दीपावली के आसपास दिल्ली में प्रदूषण का स्तर कई गुना तक बढ़ जाता है। इसे नियंत्रित करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने एक नवंबर से बीएस-4 वाहनों के प्रवेश पर रोक के आदेश जारी किए हैं। इससे दिल्ली के करीब 50 हजार से ज्यादा बीएस-4 या इससे कम श्रेणी के मानक वाले व्यावसायिक वाहनों के मालिक परेशान थे। इसे लेकर ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद यह निर्णय लिया गया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने बताया कि आयोग के सदस्य (तकनीकी) वीरेंद्र शर्मा के साथ इस पर चर्चा हुई। आयोग ने कहा कि बीएस-4 श्रेणी के मानक वाले जो वाहन दिल्ली में रजिस्टर्ड हैं और उनका रजिस्ट्रेशन वैध है, उन्हें राजधानी दिल्ली में प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अन्य बाहरी राज्यों में रजिस्टर्ड व्यावसायिक वाहनों को राजधानी दिल्ली में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इनमें मालवाहक और यात्री वाहन दोनों शामिल रहेंगे। उन्होंने बताया कि बीएस-4 श्रेणी के व्यावसायिक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से जारी किया गया आदेश स्पष्ट नहीं था। बता दें कि इस आदेश के संबंध में पूर्व में ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के सदस्य दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से भी मिले थे।

दिल्ली में झमाझम बारिश से सड़कें बनी स्वीमिंग पूल, कई जगहों पर लंबा जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह हुई झमाझम बारिश के बाद अनेक सड़कों पर भारी जलभराव होने से जगह-जगह जाम लग गया। वहीं, राजधानी में भारी बारिश के बीच दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में और बारिश होने का अनुमान जताया है।

बारिश के चलते दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे गाड़ियां फंस गईं और लोग पानी में से होकर गुजरे। प्रीत विहार, डीएनडी, मथुरा रोड, विकास मार्ग, आईएसबीटी, गीता कॉलोनी, राजाराम कोहली मार्ग पर ट्रैफिक जाम है। रिंग रोड (सराय काले खा से आईटीओ) पर जाम लगा हुआ है। वहीं महरौली-बदरपुर रोड भी पूरा जाम है और महरौली से लेकर बत्रा हॉस्पिटल तक जाम लगा हुआ है।

सोशल मीडिया पर वायरल रहे वीडियो में दोपहिया वाहन, कारें और मालवाहक वाहन पानी से लबालब भरी सड़कों से गुजरने के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं, जबकि स्कूली बच्चे पानी में पैदल चलकर अपने स्कूल पहुंचते नजर आ रहे हैं। भारी बारिश के बीच दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली में मौसम खराब रहने की संभावना है। हालांकि, दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन फिलहाल सामान्य है। उड़ानों के लेटेस्ट अपडेट के लिए यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें। बता दें कि, मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तामपान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तामपान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। राजधानी में गर्मी और उमस का दौर अब भी जारी है। गुरुवार को दिनभर निकली धूप की वजह से लोगों को 44 डिग्री सेल्सियस जैसी गर्मी का अहसास हुआ।

अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हूं: उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने फैसलों की वजह से दुनिया भर के देशों की सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में उनके पद पर रहने या न रहने को लेकर भी दुनिया बड़े गौर से देख रही है। उनकी सेहत को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जाती रहती हैं। हालांकि वाइट हाउस और ट्रंप परिवार की तरफ से उनकी सेहत को बिल्कुल सही बताया जाता है। इस सब के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि ट्रंप का स्वास्थ्य बेहतर है।

यूएस टुडे को दिए इंटरव्यू में जेडी वेंस ट्रंप के स्वास्थ्य और अपने राष्ट्रपति पद को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अच्छी स्थिति में हैं, वह अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिका को महान बनाने के अपने काम में लगे रहेंगे।

जेडी ने आगे कहा, भगवान न करे, कोई ऐसी भयानक घटना होती है, तो मैं पिछले 200 दिनों से ट्रंप के अंडर ट्रेनिंग ले रहा हूं, तो मैं राष्ट्रपति पद संभालने के लिए भी तैयार हूं।

गौरतलब है कि वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बार-बार ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। हालांकि वाइट हाउस से जब इस चोट के बारे में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने बताया कि बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने की वजह से यह चोट लगी है। मालूम हो कि ट्रंप के हाथ की यह चोट पहली बार जुलाई में दिखाई दी थी, लेकिन तब इसे बड़ी ही चतुराई के साथ फाउंडेशन से ढ़क दिया गया था।

ईशनिंदा आरोप का सामना कर रही कैंसर पीड़ित महिला की जमानत खारिज

रबात, एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता इब्तिसाम लचगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। लचगर पर ईशनिंदा करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि लचगर कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं और सितंबर में उनकी सर्जरी होनी है। इसके बावजूद मोरक्को की अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया। इब्तिसाम लचगर का मामला इन दिनों मोरक्को समेत पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। इब्तिसाम लचगर के वकील ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान उन्हें स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन राजधानी रबात

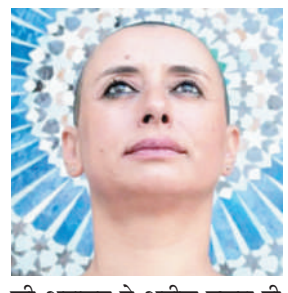

की अदालत ने अपील ठुकरा दी और लचगर को रिहा करने से इनकार कर दिया। लचगर पर एक विवादित टिप्पणी वाली टीशर्ट पहनकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मोरक्को में राजशाही और इस्लाम का अपमान करने की सख्त मनाही और इसे लेकर वहां लंबे समय से कठोर कानून हैं।

मैक्सिको की सीनेट में विपक्षी नेता-सीनेट अध्यक्ष में हाथापाई

मैक्सिको सिटी , एजेंसी। मैक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे। विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेरार्डो फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल

दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया। नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मैक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा।

फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका

एलीगेटर अलकाट्राज को बंद करने का आदेश

ऑरलैंडो, एजेंसी। फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात एक जज ने एलीगेटर अल्काट्राज के संचालन को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश देते हुए अपने फैसले को बरकरार रखा। यह राज्य के एवरग्लेड्स में स्थित है और इसे हवाई प्रशिक्षण अड्डे से इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बदला गया था। इस केंद्र को एलीगेटर अल्काट्राज नाम दिया गया था। अब यह केंद्र जल्द ही पूरी तरह से खाली हो सकता है।

राज्य द्वारा अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, फिलहाल इस केंद्र को बंद करने में ही फ्लोरिडा को 15 से 20 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। अगर इसे दोबारा चालू करने की अनुमति

मिली तो फिर से संरचनाओं को स्थापित करने पर 15 से 20 मिलियन डॉलर और खर्च होंगे। एक राज्य अधिकारी ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग को 218 मिलियन डॉलर का अधिकांश निवेश खोना पड़ेगा। सिर्फ कुछ ही दिनों में बने इस केंद्र में बड़े सफेद टेंटों के चारों तरफ जंजीरों से बंधे पिंजरे हैं, जिनके चारों ओर चारपाई बिस्तरों की कतारें लगी हुई हैं।

इस केंद्र के निर्माण-संचालन के लिए दिए गए हैं 405 मिलियन डॉलर के ठेके: एपी के हवाले से आई पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा ने इस सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए कम से कम 405 मिलियन डॉलर के ठेके दिए हैं। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि इसे चलाने में हर साल 450 मिलियन डॉलर लगेंगे। जुलाई के अंत तक ही राज्य 245 मिलियन डॉलर इस केंद्र पर खर्च कर चुका था। यह सुविधा 1 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस केंद्र का दौरा किया था और कहा था कि यह पूरे देश में भविष्य के हिरासत केंद्रों का मॉडल हो सकता है।

कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा केंद्र

लेकिन शुरुआत से ही यहां गंदगी, अस्वच्छ हालात और बंदियों को कानूनी मदद से वंचित रखने जैसी शिकायतें आती रही हैं। यह केंद्र कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथलीन विलियम्स ने अपना आदेश दोहराया कि केंद्र को बंद किया जाए, क्योंकि राज्य और संघीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र की संवेदनशील आद्रभूमि में डिटेंशन सेंटर बनाने से पहले जरूरी पर्यावरण समीक्षा नहीं की। जज ने संचालन बंद करने के अपने आदेश को स्थगित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा आदेश से बाधित होंगी योजनाएं: मियामी के न्यायाधीश ने कहा कि यहां बंदियों की संख्या पहले ही घट रही है और इससे संघीय सरकार के आव्रजन प्रवर्तन लक्ष्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों का कहना है कि आदेश से उनकी योजनाएं बाधित होंगी। विभाग ने सिर्फ इतना कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहा है और बंदियों को अन्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। हालांकि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यह नहीं बताया कि पिछले हफ्ते जज के अस्थायी निषेधाज्ञा के बाद से कितने बंदी बचे हैं और कितने बाहर निकाले गए हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।